जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 313 प्रभात चूरू, शुक्रवार 13 मार्च, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ट्रम्प अब किसी भी तरह से खाड़ी देशों के युद्ध से पिंड छुड़ाना चाहते हैं

इसका कारण है कि इस युद्ध का अगर कोई एक शिकार है, तो वह है ट्रम्प का बड़बोलापन

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मार्च। जैसा कि हर युद्ध में होता है, यहां भी अलग-अलग दावे और कहानियां सामने आ रही हैं और जमीन पर वास्तव में क्या हो रहा है, यह समझना दिन-ब-दिन कठिन होता जा रहा है।

स्थिति और गंभीर हो गई है, क्योंकि ईरान ने अब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों और इज़रायल तथा तेल अवीव शहर पर भीषण हमले शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा तेल उद्योग की क्षमताओं पर लगातार हमले वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए संकट को और बढ़ा रहे हैं।

तेल की कीमतें बुधवार को कुछ घटीं, पर गुरुवार को फिर बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं। यह तब हुआ, जब कई देशों ने अपने रणनीतिक तेल भंडार से बड़ी मात्रा में तेल जारी किया था। ईरान का दावा है कि यदि होर्मुज़ स्ट्रेट पूरी तरह बंद हो जाता है तो तेल की कीमतें जल्द ही 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।

- ट्रम्प ने वादा किया था, कि वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में आवागमन को, अमेरिकी सेना की ''एस्कॉर्ट सेवा'' उपलब्ध कराकर खुलवा देंगे, पर अमेरिका की नौसेना, यह ''एस्कॉर्ट सेवा'' प्रदान करने के लिये कतई तैयार नहीं है।
- ट्रम्प ने यह भी दावा किया था कि ''स्टॉक मार्केट में भाव इतने ऊंचे पहुंचेगे, जितना पहले कभी नहीं पहुंचे। पर सच्चाई जो सामने आई, वह यह है कि जब से खाड़ी युद्ध शुरु हुआ है, स्टॉक मार्केट में शेयर्स के भाव गिरते ही जा रहे हैं।
- ट्रम्प ने यह भी सार्वजनिक घोषणा की थी कि उनके टैरिफ बढ़ाने से विश्व में कॉम्पटीशन बढ़ेगा, तथा इस ''कॉम्पटीशन'' का लाभ अमेरिका को मिलेगा तथा उसका निर्यात बढ़ेगा, पर हुआ उल्टा, युद्ध के बाद व्यापार व लेनदेन में जोखिम बढ़ा और इससे डॉलर की एक्सचेंज रेट बढ़ी, और इससे अमेरिकी माल की विश्व के व्यापार में ''कॉम्पटीशननैस'' और बढ़ गई।

इससे तेल की कीमतें सामान्य करने के डॉनल्ड ट्रंप के दावे पूरी तरह गलत साबित होते दिख रहे हैं। ट्रंप ने कहा था कि रणनीतिक तेल भंडार से बड़े पैमाने पर तेल जारी करने और होर्मुज़ स्ट्रेट को खोलने के लिए दबाव बनाने से तेल की कीमतें तेजी से गिर जाएंगी। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

ईरान ने दावा किया है कि उसने होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजर रहे कम से कम बारह जहाजों को नष्ट कर दिया है। वहीं, अमेरिका का कहना है कि उसने होर्मुज़ स्ट्रेट में ईरानी नौसेना के करीब 16 जहाज और उतनी ही संख्या में बारूदी सुरंग बिछाने वाले जहाज डुबो दिए हैं।

ईरान ने स्ट्रेट में जगह-जगह बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं, जिससे इस मार्ग से जहाजों का गुजरना बेहद खतरनाक हो गया है।

इन अलग-अलग दावों में सबसे नाटकीय अंतर अमेरिका और इज़राइल जैसे दो प्रमुख पक्षों के बीच दिखाई दे रहा है। जहां अमेरिका दोनों सहयोगियों की सैन्य कार्रवाई को बड़ी सफलता के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है, वहीं इज़राइल यह संकेत दे रहा है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान की तीन शर्तें

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मार्च। तेहरान ने अमेरिका और इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए तीन शर्तें रखी हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़श्कियन ने शर्तों को बताते हुए कहा कि किसी भी समाधान में ईरान के वैध अधिकारों को मान्यता देनी होगी और यह गारंटी होनी चाहिए कि देश को भविष्य में हमलों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में, पेज़श्कियन ने युद्ध के दौरान हुए नुकसान के लिए मुआवजे की भी मांग की।

- पहली है, ईरान के वैध अधिकारों को स्वीकृति मिले, दूसरी है, दोबारा हमला नहीं करने की गारंटी और तीसरी है, युद्ध में हुए नुकसान का मुआवज़ा दिया जाए।

उन्होंने लिखा, ''रूस और पाकिस्तान के नेताओं से बात करते हुए, मैंने क्षेत्र में शांति के लिए ईरान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस युद्ध, जिसे कि ज़ायोनिस्ट शासन और अमेरिका द्वारा शुरू किया गया है, को समाप्त करने का एक मात्र तरीका है, ईरान के वैध अधिकारों की स्वीकृति, मुआवजे का भुगतान, और भविष्य में आक्रमण से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका -इज़रायल की सदाबहार ''दोस्ती'' में दरार उत्पन्न हो रही है खाड़ी युद्ध से

युद्ध के लम्बा चलने के दोनों देशों के लक्ष्य भिन्न हैं, यह उजागर होने लगा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मार्च। यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचता है, तो डॉनल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू की रणनीतिक प्राथमिकताओं (स्ट्रैटेजिक प्रायॉरिटीज़) में जो अंतर है, वो धीरे-धीरे अमेरिका और इज़रायल के बीच इस समय नज़र आ रहे मौजूदा राजनीतिक तालमेल पर दबाव डाल सकता है।

मुद्दे का मूल कारण दोनों देशों की रणनीतिक सोच में अंतर है। इज़रायल के लिए ईरान के साथ टकराव को अस्तित्व से जुड़ी एक सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा जाता है, जो दशकों में विकसित हुई है। इज़राइली नेता कहते हैं कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएँ, मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय संगठनों, जैसे हिज़्बुल्लाह और हमास को दिया गया समर्थन एक दीर्घकालिक खतरा है, जिसे सीमित सैन्य कार्रवाई से खत्म नहीं किया जा सकता। इस नजरिये से देखा जाए तो ईरान की क्षमता को कमजोर करने और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को बदलने के लिए सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक दबाव लगातार बनाए रखना जरूरी है। इसलिए इज़रायल के लिए एक लंबा अभियान, भले ही महंगा हो, एक ऐसी रणनीतिक लड़ाई का हिस्सा माना जाता है, जिसका परिणाम आने वाले वर्षों में देश की सुरक्षा को तय करेगा।

- इज़रायल का मानना है, ईरान के ''न्युक्लियर प्रोग्राम'' व क्षेत्रीय ''आतंकवादी गिरोहों'', जैसे हिजबुल्ला व हमास की गतिविधियों पर नियंत्रण पाने के लिए लम्बा व दीर्घकालीन युद्ध जरुरी है।
- दूसरी ओर अमेरिका का सोच है, छोटी क्षेत्रीय सैन्य कार्यवाही ही होनी चाहिये, क्योंकि लंबा युद्ध यूरोपीय देशों व अमेरिका के मित्र व सहयोगी देशों के हित में नहीं है, क्योंकि बिना ऑयल के व्यापार के इन देशों की इकॉनमी डावांडोल हो जाती है और अमेरिका इन देशों से भी बनाकर रखना चाहता है तथा इज़रायल की खातिर वह अन्य देशों से बिगाड़ना नहीं चाहता।
- यह सोच का फेर, जो अमेरिका व इज़रायल के बीच अभी दबा हुआ है, और स्पष्ट हो जायेगा, अगर युद्ध कुछ लम्बा खिंचा और यह इज़रायल व अमेरिका के सम्बंधों में खटास ही नहीं कटुता भी ला सकता है।

दूसरी ओर, अमेरिका आम तौर पर पश्चिम एशिया के संघर्षों को एक अलग दृष्टिकोण से देखता है। हालांकि वॉशिंगटन इज़रायल का सबसे करीबी सुरक्षा साझेदार है, लेकिन अमेरिकी प्रशासन अक्सर क्षेत्रीय युद्धों को लंबे और महंगे सैन्य अभियानों में बदलने से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए तीन शर्तें रखीं

पर ट्रंप अभी भी युद्ध के सम्बंध में भ्रमित तथा मिश्रित संकेत दे रहे हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मार्च। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भले ही ईरान के साथ सैन्य संघर्ष के समाप्त होने के संकेत दिए हों, लेकिन फिलहाल युद्धविराम की कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही है। ज्ञातव्य है कि युद्ध को 13 दिन हो गए हैं।

इसका कारण है ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन द्वारा रखी गई तीन कड़ी शर्तें। पहली, भविष्य में अमेरिका और इज़रायल की ओर से किसी भी हमले के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गारंटी। दूसरी, ईरान के वैध अधिकारों की मान्यता और तीसरी है, युद्ध में हुए नुकसान की भरपाई या मुआवज़े का भुगतान। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा, ''ज़ायोनी शासन और अमेरिका द्वारा शुरू किए गए इस युद्ध को खत्म करने का यही एकमात्र तरीका है।''

- ट्रंप कह रहे हैं कि ईरान में जो भी लक्ष्य थे सब हासिल हो गए अब कुछ बचा नहीं है तो युद्ध जल्दी ही समाप्त हो जाएगा।
- ज्ञातव्य है कि ट्रंप ने ईरान पर हमले से पहले चार लक्ष्य तय किए थे, ईरान के परमाणु कार्यक्रम का खात्मा, ईरान की नौ सेना का विनाश, ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट करना और हमास, हूती व हिजबोल्ला को मदद देने की सामर्थ्य खत्म करना।
- वास्तविक हालात देखें तो अमेरिका इनमें से दो ही लक्ष्य किसी हद तक प्राप्त कर पाया है, एक तो परमाणु निरस्त्रीकरण, दूसरा ईरान की नौसेना का खात्मा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने भी युद्ध समाप्त करने को लेकर मिश्रित संकेत दिए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओम बिड़ला स्पीकर की कुर्सी पर लौटे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मार्च। ओम बिड़ला गुरुवार को लोकसभा में अध्यक्ष की कुर्सी पर वापस आ गए। एक दिन पहले विपक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था, जिसे खारिज कर दिया गया था।

- स्पीकर की कुर्सी पर लौटकर ओम बिड़ला ने कहा कि वे सभी को बोलने की अनुमति देते हैं पर नियमों के तहत ही बोला जा सकता है।

संसद में बोलते हुए, बिड़ला ने पक्षपात के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, ''कुछ लोगों ने मुझ पर कुछ सांसदों को संसद में बोलने से रोकने का आरोप लगाया। लेकिन मैं यह स्पष्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होर्मुज़ स्ट्रेट से होता हुआ जहाज मुंबई बंदरगाह पहुंचा

लाइबेरिया के झंडे वाला यह जहाज तेल लेकर भारत आ रहा था, इसका कैप्टन भी भारतीय है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 मार्च। मध्य पूर्व में बढ़ते तनावों के बीच, सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर आये लाइबेरिया के ध्वज वाला एक टैंकर मुंबई बन्दरगाह पर पहुंच गया है। यह अमेरिका-इजरायल के ईरान के खिलाफ युद्ध के बीच खाड़ी जलमार्ग को सुरक्षित रूप से पार कर भारत पहुंचने वाला पहला टैंकर बन गया है। शेनलॉन्ग सूज़मैक्स तेल टैंकर, जिसका कप्तान एक भारतीय था, दो दिन पहले ही संघर्षग्रस्त होर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से होकर गुजरा था।

ईरान द्वारा शिपिंग यातायात और ऊर्जा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किये जा रहे लगातार हमलों के कारण, गुरुवार को तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, क्योंकि इस्लामिक गणराज्य ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले लगातार हो रहे हैं और युद्ध के समाप्त होने का कोई संकेत नजर नहीं आ रहा है। भारत की ओर जा रहा यह जहाज, कथित रूप से पहचान से बचने के लिए कुछ समय के लिए अपना संकेत बंद करके युद्ध प्रभावित समद्री क्षेत्र को पार कर गया।

- जहाज ने जब युद्ध ग्रस्त क्षेत्र में प्रवेश किया तब न केवल लाइट बंद कर दी बल्कि ट्रैकिंग सिस्टम भी ऑफ कर दिया।
- अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के तहत ट्रैफिक सिस्टम ऑन रखना अनिवार्य है, लेकिन विलक्षण परिस्थितियों में ट्रैकिंग सिस्टम बंद किया जा सकता है।

लाइबेरिया के ध्वज वाला यह जहाज, जिसमें कच्चा तेल भरा था, 1 मार्च को सऊदी अरब के रास तनुरा बंदरगाह से रवाना हुआ था। समुद्री ट्रैकिंग डेटा ने दिखाया कि जहाज के संकेत 8 मार्च को होर्मुज़ स्ट्रेट के अंदर अंतिम बार निगरानी प्रणालियों में दिखे थे, उसके बाद ये गायब हो गए। इसका मतलब है कि चालक दल ने जहाज के ऑटोमैटिक आईडेन्टिफिकेशन सिस्टम (ए आई एस) और ट्रांसपौंडरों को उस समय बंद कर दिया था, जब वे पानी के खतरनाक हिस्से से गुजर रहे थे।

उच्च जोखिम वाले क्षेत्र को सफलतापूर्वक पार करने के बाद, जहाज अगले दिन फिर से समुद्री ट्रैकिंग सिस्टम्स पर फिर से दिखाई दिया, जब वह भारत की ओर अपनी यात्रा जारी रखे हुए था। शिपिंग कंपनियां अक्सर इस तकनीक का इस्तेमाल करती हैं, जिसे ''डार्क होना'' भी कहा जाता है, ताकि उन्हें दुश्मनों द्वारा निशाना बनाए जाने या ट्रैक किए जाने का खतरा न हो। लेकिन यह उपाय केवल असाधारण परिस्थितियों में उपयोग किया जाता है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सत्ग्रंथ इस लोक की चिंतामणि नहीं उनके अध्ययन से सारी कुचिंताएं मिट जाती है। संशय पिशाच भाग जाते हैं और मन में सद्भाव जागृत होकर परम शांति प्राप्त होती है। –अज्ञात

राजस्थान : परम्परा से प्रगति की ओर

राजस्थान, भारत का वह रंगीन राज्य जो रेगिस्तानों की सुनहरी रेत, किलों की भव्यता और लोक संस्कृति की जीवंतता के लिए जाना जाता है, आज एक अनूठे परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। यहां की परंपराएं सदियों पुरानी हैं, जो राजपूत शौर्य, भक्ति मार्ग और लोक कला में बसी हुई हैं। लेकिन आधुनिकता की लहर ने इस भूमि को प्रगति के नए क्षितिज प्रदान किए हैं। परंपरा से प्रगति की ओर यह यात्रा न केवल आर्थिक विकास की कहानी है, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण के साथ नवाचार की मिसाल भी है। राजस्थान ने अपनी जड़ों को मजबूत रखते हुए, सौर ऊर्जा, पर्यटन, आईटी और कृषि क्रांति जैसे क्षेत्रों में छलांग लगाई है। यह आलेख इसी यात्रा को विस्तार से उजागर करता है, जहां थार का रेगिस्तान अब हरित ऊर्जा का केंद्र बन रहा है और जयपुर की हवेलियां डिजिटल स्टार्टअप्स का आश्रय दे रही हैं।

राजस्थान की परंपरागत अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प पर आधारित रही है। यहां के किसान मानसून की बूंदों पर निर्भर रहे, जबकि कारीगरों ने ब्लॉक प्रिंटिंग, बंधेज और मीनाकारी जैसी कला को जीवंत रखा। जयपुर की सियाराम ब्लॉक प्रिंटिंग या बाघोर की थेवा कला आज भी वैश्विक बाजार में राजस्थान की पहचान हैं। लेकिन जल संकट, बेरोजगारी और पारंपरिक बाजारों की सीमाओं ने राज्य को नई दिशा की ओर मोड़ दिया। 1990 के दशक से शुरू हुए आर्थिक उदारीकरण ने राजस्थान को अवसर प्रदान किए। राज्य सरकार की नीतियां, जैसे राजस्थान निवेश प्रोत्साहन नीति, ने औद्योगिकरण को गति दी। उदाहरणस्वरूप, निम्स (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) ने चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा दिया, जबकि दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) ने अलवर जैसे क्षेत्रों को औद्योगिक हब बना दिया। आज राजस्थान का जीडीपी विकास दर राष्ट्रीय औसत से ऊपर है, जो 8-10 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह प्रगति परंपरा से कटे बिना हुई है, क्योंकि राज्य ने हेरिटेज होटल नीति के तहत पुरानी हवेलियों को पर्यटन केंद्रों में बदला, जिससे स्थानीय कारीगर लाभान्वित हुए।

पर्यटन राजस्थान की प्रगति का सबसे चमकदार पहलू है। उदयपुर की झीलें, जैसलमेर का सम दुर्ग और जोधपुर का मेहरानगढ़ किला न केवल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, बल्कि राजस्व का प्रमुख स्त्रोत भी हैं। 2025 तक राज्य में 10 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे, जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 50 लाख से ऊपर रही। लेकिन यह परंपरा से प्रगति का संगम है। रिट्ज कार्लटन जैसी चेन ने उदयपुर में हेरिटेज प्रॉपर्टीज विकसित कीं, जबकि पुष्कर फेस्टिवल और डेजर्ट फेस्टिवल लोक नृत्यों को वैश्विक मंच प्रदान करते हैं। डिजिटल मार्केटिंग ने इसे नई ऊंचाई दी। एप्स जैसे राजस्थान टूरिज्म और वर्चुअल रियलिटी टूर्स ने महामारी के दौरान भी पर्यटन को जिंदा रखा। साथ ही, इको-टूरिजम को बढ़ावा मिला है। रणथंभौर और सरिस्का अभयारण्यों में सफारी ने वन्यजीव प्रेमियों को खींचा, जबकि रेगिस्तानी सफारी ने थार को एडवेंचर हब बना दिया। यह विकास सतत है, क्योंकि राज्य ने जीरो वेस्ट टूरिज्म मॉडल अपनाया, जहां प्लास्टिक प्रतिबंध और जैविक सफाई पर जोर है। परिणामस्वरूप, पर्यटन से राज्य को 1.5 लाख करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जो स्थानीय रोजगार को दोगुना कर चुका है।

शिक्षा और कौशल विकास में राजस्थान की प्रगति चिंतन का विषय है। परंपरागत रूप से यहां गुरुकुल परंपरा और मदरसों का महत्व रहा, लेकिन आधुनिक शिक्षा ने इसे मजबूत किया। बीकानेर विश्वविद्यालय और जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान अब आईआईटी और आईआईएम स्तर के कोर्स चला रहे हैं। राजस्थान स्किल एंड लाइवलीहुड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया, विशेषकर पर्यटन, आईटी और सौर ऊर्जा में। लड़कियों की शिक्षा पर विशेष जोर है; बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से साक्षरता दर 70 प्रतिशत से ऊपर पहुंची। उदाहरण के लिए, उदयपुर का आईआईआईटी ने स्टार्टअप इंक्यूबेटर स्थापित किया, जहां छात्र परंपरागत डिजाइन को डिजिटल प्रोडक्ट्स में बदल रहे हैं। लेकिन चुनौतियां बाकी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रॉपआउट दर ऊंची है, जिसे ई-लर्निंग से दूर किया जा रहा है। डिजिटल इंडिया के तहत 50 हजार से अधिक स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम बने, जो राजस्थानी लोककथाओं को डिजिटल कहानियों में बदल रहे हैं। यह परिवर्तन राज्य को मानव संसाधन का मजबूत केंद्र बना रहा है।

> **आधुनिक तकनीक ने राजस्थान को परिवर्तित कर दिया है। सौर ऊर्जा में राज्य अग्रणी है। भादला सोलर पार्क, विश्व का सबसे बड़ा सौर पार्क, 2.2 गीगावाट ऊर्जा उत्पन्न करता है, जो थार रेगिस्तान की बंजर भूमि को सोने की खान बना रहा है। सौर ऊर्जा नीति 2019 ने 30 गीगावाट लक्ष्य रखा, जो पूरा होने को है। यह न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता ला रहा, बल्कि ग्रामीण रोजगार भी सृजित कर रहा। आईटी सेक्टर में जयपुर सिलिकॉन राजस्थान बन रहा है। महिंद्रा आईटी पार्क और आरएके आईटी पार्क ने 50 हजार नौकरियां पैदा कीं। स्टार्टअप्स जैसे ट्राइवोक (पर्यटन ऐप) और फार्म टू फोर्क (कृषि ई-कॉमर्स) राजस्थानी उद्यमियों की देन हैं।**

आधुनिक तकनीक ने राजस्थान को परिवर्तित कर दिया है। सौर ऊर्जा में राज्य अग्रणी है। भादला सोलर पार्क, विश्व का सबसे बड़ा सौर पार्क, 2.2 गीगावाट ऊर्जा उत्पन्न करता है, जो थार रेगिस्तान की बंजर भूमि को सोने की खान बना रहा है। सौर ऊर्जा नीति 2019 ने 30 गीगावाट लक्ष्य रखा, जो पूरा होने को है। यह न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता ला रहा, बल्कि ग्रामीण रोजगार भी सृजित कर रहा। आईटी सेक्टर में जयपुर सिलिकॉन राजस्थान बन रहा है। महिंद्रा आईटी पार्क और आरएके आईटी पार्क ने 50 हजार नौकरियां पैदा कीं। स्टार्टअप्स जैसे ट्राइवोक (पर्यटन ऐप) और फार्म टू फोर्क (कृषि ई-कॉमर्स) राजस्थानी उद्यमियों की देन हैं। डिजिटल इंडिया ने ग्रामीण राजस्थान को जोड़ा; जन आधार कार्ड से 2 करोड़ लोगों को सब्सिडी पहुंची। ई-गवर्नेंस ने भ्रष्टाचार रोका, जैसे भामाशाह योजना ने महिलाओं को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर दिया। लेकिन साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता चुनौतियां हैं, जिन्हें साइबर स्वच्छता केंद्र संबोधित कर रहे हैं।

कृषि और जल प्रबंधन राजस्थान की प्रगति का आधार हैं। परंपरागत खाड़ी और जोहड़ प्रणाली अब आधुनिक सिंचाई से जुड़ रही है। इंदिरा गांधी नहर ने रेगिस्तान को अनाज का कटोरा बना दिया, जिससे गेहूं उत्पादन दोगुना हो गया। मुख्यमंत्री कृषि योजना ने ड्रिप इरिगेशन को सब्सिडी दी, जबकि राजस्थान ऑर्गेनिक फार्मिंग मिशन ने जैविक खेती को बढ़ावा दिया। बाड़मेर का जीरा और जैसलमेर की बाजरा अब निर्यात हो रहे। डेयरी सेक्टर में अमूल और मदर डेयरी ने सहकारिता को मजबूत किया। जल संरक्षण में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान ने 5 लाख जोहड़ बनाए, जो वर्षा जल संचयन पर आधारित हैं। यह परंपरा (जैसे पंचायत राज जल प्रबंधन) और प्रगति (सेंसर आधारित मॉनिटरिंग) का मेल है। परिणाम? कृषि जीडीपी में 25 प्रतिशत योगदान और किसान आय में 50 प्रतिशत वृद्धि।

सामाजिक परिवर्तन राजस्थान की प्रगति को पूर्णता देते हैं। महिलाओं की सशक्तिकरण में बेटी बचाओ ने लिंगानुपात सुधारा, जबकि उदन जैसी योजनाओं ने स्वरोजगार दिया। आदिवासी क्षेत्रों में एमजीएनआर ने रोजगार सुनिश्चित किया। स्वास्थ्य में आयुष्मान भारत ने 5 करोड़ कार्ड जारी किए, जबकि कोविड वैक्सीनेशन में राज्य शीर्ष पर रहा। सांस्कृतिक उत्सव जैसे तेजाजी महोत्सव अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पहुंच रहे, जो परंपरा को जीवित रखते हैं। लेकिन असमानता बाकी है; शहरी-ग्रामीण खाई को पाटना बाकी है।

राजस्थान की यह यात्रा परंपरा से प्रगति की ओर एक प्रेरणा है। जहां किलों की दीवारें इतिहास सुनाती हैं, वहीं सौर पैनल भविष्य रच रहे हैं। राज्य ने सतत विकास लक्ष्यों को अपनाया, जहां जीडीपी वृद्धि के साथ पर्यावरण संरक्षण जुड़ा। निवेशक सम्मेलन 2022 ने 10 लाख करोड़ के प्रस्ताव लाए। भविष्य में मेट्रो विस्तार (जयपुर मेट्रो चरण-2), हाई स्पीड रेल और एयरपोर्ट्स राज्य को कनेक्ट करेंगे। चुनौतियां जैसे जल संकट और बेरोजगारी बनी रहेंगी, लेकिन राजस्थान 2047 विजन उन्हें संबोधित करेगा। यह भूमि सिद्ध करता है कि परंपरा बोझ नहीं, बल्कि प्रगति का आधार है। राजस्थान न केवल विकसित हो रहा, बल्कि अपनी आत्मा को संरक्षित भी कर रहा है।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

भारतीय परिवारों का विखंडन : बाजार, मीडिया और बदलता समाज

सुनील दत्त गोयल

परिवारों का टूटना बाजार के हित में है – यह वाक्य पहली नजर में अतिशयोक्ति लग सकता है, लेकिन पिछले तीन दशकों के सामाजिक और आर्थिक आंकड़े इस प्रवृत्ति की ओर स्पष्ट संकेत करते हैं। जब परिवार बिखरते हैं तो बाजार फलता-फूलता है। पहले एक परिवार एक घर खरीदता या बनवाता था। अब एक से अधिक घर खरीदने पड़ते हैं। एक से अधिक कार, एक से अधिक टेलीविजन, एक से अधिक वाशिंग मशीन और ऐसे ही हर वह वस्तु, जो पहले पूरे परिवार के लिए पर्याप्त हुआ करती थी, अब अलग-अलग घरों के लिए आवश्यक हो गई है।

मैंने यह परिवर्तन लगभग दस वर्ष पहले अपने जीवन में बहुत स्पष्ट रूप से महसूस किया था। मेरे जानकार दो भाइयों ने अलग-अलग मकान लिए। एक बड़ा, संयुक्त परिवार का घर। लेकिन जब परिवार बढ़े, तो बंटवारे की कोई बात न होते हुए भी अलग रहने की आवश्यकता महसूस हुई।

अलग घर लेने का अर्थ सिर्फ दीवारें बदलना नहीं था। सारा सामान दोबारा खरीदा गया – नया टीवी, नया फ्रिज, नया कूलर। यहीं मेरे मन में पहली बार एक प्रश्न उठा। जो नया घर था, वहाँ उस समय की सबसे आधुनिक चीज़ें आईं, जबकि माता-पिता के साथ रहने वाले घर में वही पुराना सामान चलता रहा।

यहीं से एक अदृश्य तुलना शुरू होती है। बच्चों के मन में यह भाव पैदा होता है कि चाचा के घर सब नया है, हमारे घर सब पुराना है। यह कोई बड़ी लड़ाई नहीं होती, लेकिन यही छोटे-छोटे भाव आगे चलकर मानसिक असंतोष और पारिवारिक खटास का कारण बनते हैं। आज यही न्यूक्लियर फैमिली संरचना कई बार रिश्तों के टूटने, यहाँ तक कि तलाक़ तक के कारण बनती दिखाई देती है। अलग रहने से स्वतंत्रता तो बढ़ी है – आने-जाने की, रहने-सहने की, निर्णय लेने की – लेकिन इसी स्वतंत्रता के साथ सामाजिक अनुशासन और पारिवारिक निगरानी भी कम हुई है।

सामाजिक दृष्टि से जो आचरण पहले स्वाभाविक रूप से नियंत्रित रहता था, वह अब खुला हो गया है। उदाहरण के तौर पर, घरों में मांसाहार का बढ़ता प्रयोग, शराब और सिगरेट का सामान्य हो जाना – इन प्रवृत्तियों के पीछे न्यूक्लियर फैमिली में रहना भी एक महत्वपूर्ण कारण बनता जा रहा है। इसका अर्थ यह नहीं कि संयुक्त परिवार पूर्णतः दोष-मुक्त थे या न्यूक्लियर परिवार पूर्णतः गलत हैं। लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि न्यूक्लियर परिवार व्यवस्था के कुछ सामाजिक और मानसिक दुष्परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आने लगे हैं।

संयुक्त परिवार से न्यूक्लियर परिवार तक: आंकड़ों की कहानी

भारत की जनगणना (2011) और उसके बाद के राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि संयुक्त परिवारों की संख्या में निरंतर गिरावट आई है और न्यूक्लियर परिवारों की संख्या बढ़ी है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) और विभिन्न समाजशास्त्रीय अध्ययनों के अनुसार शहरी भारत में एकल या छोटे परिवारों का प्रतिशत 70 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

रियल एस्टेट सेक्टर के आंकड़े बताते हैं कि महानगरों में 1 बी एच के और 2 बी एच के फ्लैट्स की मांग पिछले 20 वर्षों में कई गुना बढ़ी है। ऑटोमोबाइल उद्योग की रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्व के सबसे बड़े दोपहिया और प्रमुख चारपहिया बाजारों में शामिल हो चुका है। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंस सेक्टर की वार्षिक वृद्धि दर 10-15 प्रतिशत के आसपास रही है। यह वृद्धि केवल जनसंख्या वृद्धि से नहीं समझी जा सकती; इसके पीछे परिवार संरचना में परिवर्तन भी एक बड़ा कारण है।

पहले संयुक्त परिवारों में एक ही मिक्सी, एक ही गीजर, एक ही वाशिंग मशीन और सीमित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से काम चल जाता था। आज अलग-अलग घरों में वही सभी वस्तुएं अलग-अलग खरीदी जा रही हैं। परिणामस्वरूप बाजार में बहार आई, लेकिन समाज और परिवार बिखरते चले गए।

सामाजिक सुरक्षा का भारतीय मॉडल

संयुक्त परिवार केवल भावनात्मक व्यवस्था नहीं था, वह भारतीय समाज की वास्तविक सोशल सिक्योरिटी था। यूरोपीय समाजों में जहां पेंशन, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं और वृद्धाश्रम आवश्यक संरचनाएं हैं, भारत में पारिवारिक व्यवस्था ही बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षा कवच थी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू एच ओ) और भारत के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वे (NIMHANS, 2015-16) के अनुसार भारत में हर सात में से एक व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहा है। अकेलापन, अवसाद और चिंता विकारों में वृद्धि दर्ज की गई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि शहरीकरण, पारिवारिक विखंडन और सामाजिक अलगाव इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं।

पहले संयुक्त परिवारों में पुरुष व्यापार या नौकरी के सिलसिले में बाहर जाते थे, तो घर में बुजुर्ग और अन्य सदस्य परिवार को संभाल लेते थे। महिलाओं को सामाजिक और भावनात्मक सहारा मिलता था। बच्चों का पालन-पोषण सामूहिक रूप से होता था। मनमुटाव होते थे, लेकिन सुलझ भी जाते थे। गली-मोहल्लों की संस्कृति में बच्चे खेलते थे, महिलाएं मिलकर गीत-संगीत करती थीं – आज की भाषा में कहें तो वह किटी पार्टी का सहज, सांस्कृतिक रूप था।

मीडिया और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण

1990 के दशक के बाद उपग्रह चैनलों और मनोरंजन उद्योग के विस्तार ने पारिवारिक छवियों को नए ढंग से प्रस्तुत किया। कई लोकप्रिय धारावाहिकों में संयुक्त परिवार को षड्यंत्र, सास-बहू के झगड़े, अविश्वास और व्यक्तिगत इच्छाओं के दमन के रूप में दिखाया गया। इसके विपरीत न्यूक्लियर परिवार को आधुनिकता, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया।

यह केवल सांस्कृतिक बदलाव नहीं था; यह उपभोक्ता व्यवहार में परिवर्तन का भी आधार बना। विज्ञापन उद्योग ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को व्यक्तिगत उपभोग से जोड़ा। अपना घर, अपनी कार, अपनी लाइफस्टाइल – ये स्लोगन केवल भावनात्मक अपील नहीं थे, बल्कि बाजार रणनीति का हिस्सा थे।

शिक्षा, करियर और विलंबित मातृत्व

भारतीय शिक्षण संस्थानों का व्यावसायीकरण भी इस परिवर्तन का एक आयाम है। निजी स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों की फीस में पिछले दो दशकों में कई गुना वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों के अनुसार कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.0 से नीचे आ चुकी है। शहरी शिक्षित वर्ग में विवाह और मातृत्व की आयु बढ़ी है। नई पीढ़ी करियर, आर्थिक स्थिरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्राथमिकता दे रही है। परिणामस्वरूप एक या बिना संतान वाले परिवारों की संख्या बढ़ रही है। इससे रिश्तों का विस्तार – मामा-मामी, चाचा-चाची, ताऊ-ताई, बुआ – फूफा स्वाभाविक रूप से सीमित हो गया है। रिश्तों का संसार अंकल और आंटी तक सिमटता जा रहा है।

डिजिटल युग और अकेलापन

बच्चों के संस्कार अब केवल माता-पिता या दादा-दादी तय नहीं कर रहे; सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, ओटीटी प्लेटफॉर्म और डिजिटल कंटेंट भी प्रभाव डाल रहे हैं। भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 80 करोड़ से अधिक हो चुकी है। औसतन भारतीय युवा प्रतिदिन 4-5 घंटे मोबाइल पर बिताता है।

धीरे-धीरे सुख-दुख के रिश्ते भी समाप्त होने को हैं। बच्चों के संस्कार माता-पिता या दादा-दादी नहीं, बल्कि सोशल मीडिया के इन्फ्लुएंसर तय कर रहे हैं। पहले जो काम दादा-दादी या परिवार के बड़े सदस्य करते थे, वह अब काउंसलर्स करने लगे हैं। बाजार के लिए यह एक आदर्श स्थिति है। हमारी हर समस्या उनके लिए एक प्रोडक्ट है। हमारी हर भावनात्मक आवश्यकता के लिए कोई-न-कोई ऐप है। हर त्यौहार का मतलब है ढेर सारा ऑनलाइन ऑर्डर, चाहे वह सामान काम का हो या न हो। ढेर सारे सब्सक्रिप्शन हमारे पास हैं, जो हर तरह के चाहे-अनचाहे संस्कार हमें बांट रहे हैं। मात्र दो दशक के अंदर हमारा समाज पूरी तरह से बदल गया और यह प्रश्न खड़ा होने लगा कि हम क्या से क्या हो गए। हम कहां से चले और कहां पहुंच गए, और जहां पहुंचे हैं, क्या वहीं पहुँचना जरूरी था या कोई और अच्छा तरीका भी हो सकता था?

उपभोग संस्कृति और त्योहार

त्योहारों का स्वरूप भी बदला है। ई-कॉमर्स कंपनियों की फेस्टिव सेल अरबों रुपये का कारोबार करती हैं। दिवाली, होली या अन्य पर्व अब बड़े पैमाने पर ऑनलाइन शॉपिंग और ब्रांडेड उपहारों से जुड़ गए हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह परिवर्तन अनिवार्य था? क्या दिवाली की खुशी अब केवल ऑनलाइन ऑर्डर से मापी जाएगी? क्या जंक फूड मां के हाथ के खाने से अधिक आकर्षक हो जाएगा? क्या दादी-नानी की कहानियों की जगह नेटफ्लिक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम के वीडियो ले लेंगे?

लैंगिक भूमिकाएं और सामाजिक परिवर्तन

समाज में महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक भागीदारी बढ़ी है, जो सकारात्मक परिवर्तन है। लेकिन इसके साथ जीवनशैली में भी बदलाव आया है। शराब और धूम्रपान जैसे व्यवहार, जो पहले सीमित थे, अब लैंगिक सीमाओं से परे बढ़ रहे हैं। यह परिवर्तन केवल नैतिकता का प्रश्न नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी विषय है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षणों में अल्कोहल उपभोग में वृद्धि दर्ज की गई है। सार्वजनिक विमर्श में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणा ने पारिवारिक अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी के पारंपरिक मॉडल को चुनौती दी है।

आगे का मार्ग

यह आवश्यक नहीं कि संयुक्त परिवार ही एकमात्र आदर्श मॉडल हो। आधुनिक जीवन, शहरी रोजगार और गतिशीलता के अपने व्यावहारिक कारण हैं। लेकिन यह भी सत्य है कि परिवार के विखंडन के सामाजिक और मानसिक प्रभावों पर गंभीर चर्चा आवश्यक है।

संयुक्त परिवार को बोझ नहीं, संपत्ति के रूप में देखने की आवश्यकता है। बुजुर्गों का सम्मान केवल सांस्कृतिक मूल्य नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता का आधार है। बच्चों को उपभोक्ता नहीं, संस्कारवान नागरिक बनाने की दिशा में प्रयास होना चाहिए। त्योहारों को भावनात्मक और सांस्कृतिक गहराई के साथ मनाना चाहिए, न कि केवल उपभोग के अवसर के रूप में। बाजार जीवन का हिस्सा है, लेकिन जीवन का केंद्र नहीं होना चाहिए।

आज प्रश्न यह नहीं कि हम आधुनिक क्यों बने; प्रश्न यह है कि क्या आधुनिकता के नाम पर हमने अपनी सामूहिक शक्ति को कमजोर कर दिया? क्या हम आर्थिक प्रगति और पारिवारिक एकता के बीच संतुलन नहीं बना सकते?

यदि हम अभी नहीं रुके, तो अगली पीढ़ी को संयुक्त परिवार का अर्थ समझाना भी कठिन हो जाएगा। समय आ गया है कि हम विकास और मूल्य – दोनों को साथ लेकर चलने की नई सामाजिक रणनीति बनाएं। यही संतुलन भारत की वास्तविक शक्ति रहा है, और भविष्य में भी वही हमारी स्थिरता का आधार बन सकता है।

–रोटेरियन सुनीलदत्त गोयल, एडवाइजर, एडिटर्स क्लब ऑफ़ इंडिया महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

ईरान में जनहित के लिए दूरदर्शी पहल की आवश्यकता

डॉ. नीरज रावत

पश्चिम एशिया का महत्वपूर्ण देश ईरान इस समय एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ लिया गया एक विवेकपूर्ण और साहसिक निर्णय न केवल स्वयं ईरान को व्यापक विनाश से बचा सकता है, बल्कि पूरे क्षेत्र में स्थिरता और शांति की दिशा भी निर्धारित कर सकता है। इतिहास यह स्पष्ट रूप से बताता है कि जब किसी राष्ट्र में संस्थागत संतुलन कमजोर हो जाता है और सत्ता कुछ सीमित संरचनाओं के हाथों में केंद्रित हो जाती है, तो उसका परिणाम अंततः राजनीतिक अस्थिरता और सामाजिक तनाव के रूप में सामने आता है। आज ईरान की स्थिति भी कुछ ऐसी ही जटिलताओं से घिरी हुई दिखाई देती है।

ऐसे समय में सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम यह हो सकता है कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आइआरजीसी) देश के राजनीतिक और सामरिक नियंत्रण से पीछे हटे और ईरान की आधिकारिक राष्ट्रीय सेना को राज्य संचालन की जिम्मेदारी संभालने का अवसर दे। इससे शासन व्यवस्था में आवश्यक संतुलन स्थापित हो सकेगा और राज्य संस्थाएँ अधिक जिम्मेदारी तथा पारदर्शिता के साथ कार्य कर पाएंगी।

ईरान के आधुनिक इतिहास में यह पहली बार नहीं है जब राष्ट्रीय हित में संस्थागत पुनर्संतुलन की आवश्यकता महसूस की जा रही हो। वर्ष 1979 की ईरानी क्रांति के बाद जब शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी का शासन समाप्त हुआ, तब देश में एक नई राजनीतिक व्यवस्था स्थापित हुई। उसी दौर में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य नवगठित इस्लामी व्यवस्था की रक्षा करना था। समय के साथ यह संगठन केवल सुरक्षा तंत्र तक सीमित नहीं रहा और उसने राजनीतिक, आर्थिक तथा रणनीतिक क्षेत्रों में भी व्यापक प्रभाव स्थापित कर लिया। परिणामस्वरूप, ईरान की पारंपरिक राष्ट्रीय सेना, जो देश की संप्रभुता और सीमाओं की रक्षा के लिए स्थापित की गई थी, अपेक्षाकृत पृष्ठभूमि में चली गई।

ईरान का इतिहास यह भी संकेत देता है कि जब राज्य संस्थाएँ संतुलित और जवाबदेह ढंग से कार्य करती हैं, तब देश अधिक स्थिर और प्रभावी बनता है। बीसवीं सदी की शुरुआत में हुई 1906 की संवैधानिक क्रांति इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस आंदोलन ने ईरान में पहली बार संसद और संवैधानिक शासन की अवधारणा को स्थापित किया। उस समय जनता और बुद्धिजीवियों ने निरंकुश सत्ता के विरुद्ध आवाज़ उठाते हुए ऐसी व्यवस्था की मांग की थी जिसमें शासन जनता के प्रति जवाबदेह हो और संस्थाओं के बीच संतुलन कायम रहे।

इसी संदर्भ में ईरान की आधिकारिक सेना के प्रमुख की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष यह अपील करनी चाहिए कि ईरान की जनता, उसके शहरों और प्राकृतिक संसाधनों पर हो रहे हमलों को रोका जाए। किसी भी युद्ध या सैन्य टकराव का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ता है। इतिहास में ईरान-इराक युद्ध (1980-1988) इसका अत्यंत दर्दनाक उदाहरण है। आठ वर्षों तक चले इस संघर्ष ने लाखों लोगों की जान ली और ईरान की अर्थव्यवस्था तथा संसाधनों को भारी क्षति पहुँचाई। इस अनुभव ने यह स्पष्ट कर दिया कि दीर्घकालिक सैन्य संघर्ष अंततः किसी भी देश के लिए लाभकारी नहीं होते।

ऐसी परिस्थितियों में ईरान की राष्ट्रीय सेना के नेतृत्व को एक दूरदर्शी पहल करते हुए यह घोषणा करनी चाहिए कि देश में निकट भविष्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोजित किए जाएंगे। इन चुनावों के माध्यम से गठित सरकार को देश के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों का संचालन करने का जनादेश प्राप्त होगा। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बनी सरकार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अधिक वैधता और स्वीकार्यता मिलती है, जिससे कूटनीतिक और आर्थिक सहयोग की संभावनाएँ बढ़ती हैं।

ईरान के इतिहास में जनता की राजनीतिक चेतना हमेशा महत्वपूर्ण रही है। चाहे 1906 की संवैधानिक क्रांति हो, 1950 के दशक में प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसद्देक के नेतृत्व में तेल के राष्ट्रीयकरण का आंदोलन हो या फिर 1979 की क्रांति हो -- हर दौर में ईरानी जनता ने अपने अधिकारों और राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। यह ऐतिहासिक परंपरा बताती है कि यदि जनता को स्वतंत्र रूप से अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर दिया जाए, तो वह देश को अधिक स्थिर और संतुलित दिशा में ले जाने की क्षमता रखती है। यदि ईरान इस प्रकार की लोकतांत्रिक और संस्थागत पहल करता है तो उसका प्रभाव केवल देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा। इससे पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव कम हो सकता है और अनावश्यक सैन्य टकराव की संभावनाएँ भी घट सकती हैं। लंबे समय से संघर्ष और अस्थिरता से जूझ रहे इस क्षेत्र के लिए यह एक सकारात्मक और आशाजनक संकेत होगा।

साथ ही, ऐसी पहल से विश्व की लोकतांत्रिक शक्तियाँ भी ईरान की जनता के समर्थन में अधिक मजबूती से खड़ी हो सकेंगी। अंतरराष्ट्रीय समुदाय सामान्यतः उन देशों के साथ सहयोग बढ़ाता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और जनभागीदारी की दिशा में कदम बढ़ाते हैं। इससे ईरान को आर्थिक, कूटनीतिक और मानवीय सहयोग प्राप्त होने की संभावना भी बढ़ेगी, जो देश के पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

अंततः किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी जनता और उसकी संस्थाओं की वैधता में निहित होती है। यदि ईरान की संस्थाएँ (विशेषकर उसकी आधिकारिक सेना) इस समय एक जिम्मेदार और दूरदर्शी भूमिका निभाती हैं, तो यह कदम न केवल देश को संभावित विनाश से बचा सकता है, बल्कि उसे एक अधिक स्थिर, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा में भी अग्रसर कर सकता है। आज आवश्यकता टकराव को बढ़ाने की नहीं, बल्कि ऐसे विवेकपूर्ण निर्णयों की है जो ईरान की जनता और पूरे क्षेत्र के लिए शांति और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त करें।

–डॉ. नीरज रावत,
(अंतरराष्ट्रीय विषयों के जानकार एवं रणनीतिक विशेषज्ञ)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 13 मार्च, 2026

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 3:03 तक, व्यतिपात योग दिन 10:31 तक, वणिज करण सायं 7:20 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा रात्रि 7:20 से आरम्भ होगी। आज दशामाता व्रत, व्यतिपात पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:11 तक, लाभ-अमृत 8:11 से 11:08 तक, शुभ 12:37 से 2:05 तक, चर 5:02 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:43, सूर्यास्त 6:30

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। नवीन संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ
आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आज व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

प्राचीन श्रीश्याम मंदिर में 60वें वार्षिकोत्सव पर दो दिवसीय आयोजन

रतनगढ़ (निसं)। शहर के प्राचीन श्रीश्याम मंदिर में 60वें विशाल वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में 14 व 15 मार्च को दो दिवसीय भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर निशान पूजन, श्रीश्याम संकीर्तन, भव्य निशान यात्रा तथा विराट भजन संध्या जैसे कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। समाजसेवी प्रदीप धर्ड ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 14 मार्च को रात्रि 8 बजे शास्त्री नगर स्थित जयप्रकाश हेमन्त तामायात के निवास स्थान से निशान पूजन एवं श्रीश्याम संकीर्तन के साथ होगी। इस दौरान श्रद्धालु बाबा श्याम के भजनों के माध्यम से भक्ति में लीन होंगे। कार्यक्रम में संत श्री कृष्णानंदजी महाराज का सान्निध्य भी प्राप्त होगा, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश देंगे।इसके पश्चात 15 मार्च को सायं 4 बजे रामस्नेही श्री बालाजी मंदिर, परमाणु तालाब के पास से भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। यह निशान यात्रा शाही लवाजमे,बैंड-बाजों और संगीतमय झांकियों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए प्राचीन श्रीश्याम मंदिर (मेहंदीपुर बालाजी के पीछे) पहुंचेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु बाबा श्याम के जयकारों के साथ पूरे शहर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर करेंगे।वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में 15 मार्च को रात्रि 8 बजे मंदिर परिसर में विराट भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा। इस भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक अजहर अली (खाटू धाम) तथा स्थानीय भजन गायक पिंटू शर्मा (रतनगढ़) अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। भजनों की स्वर लहरियों के बीच श्रद्धालु बाबा श्याम की भक्ति में सराबोर होंगे।

नोहर में दांडी मार्च निकालकर महात्मा गांधी को नमन किया

नोहर, (निसं)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दांडी मार्च की स्मृति में आज नोहर में गांधी जी की मूर्ति से लेकर भगत सिंह चौक तक दांडी मार्च निकाला गया। मार्च के दौरान गांधी जी की मूर्ति, बिहाणी चौक, टैगोर चौक एवं भगतसिंह चौक पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सुमित चाचाण, जिला संयोजक श्रवण तंवर, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बनवारी सुथार, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश पंडा, राधेश्याम जोइया (डॉ. अम्बेडकर नवयुवक संघ नोहर), सुभाष बरोड़ (अध्यक्ष, डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी नोहर), भागीरथ स्वामी, करीम खान, विनोद फुलवाडिया, विनोद चौहान, यूनुस टाक, कांता सुथार, बिस्मिल्ला बानो, राजेश महायच (सचिव, डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी नोहर), मोहम्मद हुसैन, मुस्ताक रावण, आरिफ खान, विनोद सुथार, मुरारी पारीक, अनिश सकरवाल, मजीद खान सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चुनावी साक्षरता महोत्सव कार्यक्रम

सीकर, (निसं)। श्री कृष्ण सत्संग बालिका महाविद्यालय में गुरुवार को निर्वाचन साक्षरता क्लब के तत्वावधान में "चुनावी साक्षरता महोत्सव" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवा मतदाताओं को मतदान के महत्व, चुनावी प्रक्रिया तथा लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य वक्ता जिला साक्षरता अधिकारी डॉ चंद्र प्रकाश महर्षि ने अपने उद्बोधन में कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है तथा सशक्त लोकतंत्र के लिए शत-प्रतिशत मतदान आवश्यक है। प्राचार्य डॉ. राजू शर्मा ने नए मतदाताओं से स्वयं पंजीकरण कराने तथा दूसरों को प्रेरित करने का आव्हान किया। कार्यक्रम में भारतीय निर्वाचन प्रणाली, मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया एवं वीवीपेट से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सहायक जनसंपर्क अधिकारी राकेश कुमार ढाका ने छात्राओं से प्रश्न पूछे। अंत में चुनावी साक्षरता एंबेसडर जयश्री पारीक ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

समस्या समाधान शिविर आयोजित

सीकर, (निसं)। पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग, राजस्थान द्वारा जिला कोष कार्यालय, सीकर में गुरुवार को पेंशनर्स समस्या समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सहायक निदेशक विवेक विजय, सहायक प्रशासनिक अधिकारी रूपसिंह मीणा (निदेशालय, जयपुर) तथा कोषाधिकारी सीकर विक्रम सिंह भूकर ने पेंशनर्स की जन्मतिथि निर्धारण, नाम संशोधन, पेंशन संशोधन, बकाया पेंशन एरियर, ग्रेच्युटी अधिकृति/एरियर तथा जीपीओ एवं सीपीओ भुगतान संबंधी प्राप्त कुल 80 परिवादों में से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर पेंशनर्स को लाभ प्रदान किया गया। शिविर में मंजूदेवी, मकबूल अहमद शेख, बिरमाराम वर्मा, सुरजी देवी, बनवारी लाल मूण्ड, जय कंवर, सुलोचना शर्मा, अमर सिंह, चिरंजी लाल वर्मा एवं रामचन्द्र सिंह सहित अन्य पेंशनर्स उपस्थित रहे। इस अवसर पर धीरज शर्मा एटीओ पेंशन, संजू सर्वा एटीओ तथा जिला पेंशनर समाज एवं जिला पेंशनर मंच के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। विभाग द्वारा ऐसे शिविरों के माध्यम से पेंशनर्स की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

भामाशाह के सौजन्य से बीदासर की सरकारी स्कूल को मिला लैपटॉप

रतनगढ़ (निसं)। शिक्षा क्षेत्र में सहयोग की कड़ी में भामाशाह शुभकरण बैद के आर्थिक सौजन्य से बीदासर स्थित भंवरी देवी सुथार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को लैपटॉप उपलब्ध करवाया गया। रतनगढ़ के उपखंड अधिकारी मिथिलेश कुमार ने पंचायत समिति सभागार में विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक गोपाल शर्मा को लैपटॉप भेंट किया।भामाशाह प्रेरक कुलदीप व्यास ने बताया कि करीब 44 हजार रुपये लागत का यह लैपटॉप विद्यालय में शैक्षिणक कार्यों में उपयोग किया जाएगा। इस अवसर पर एसडीएम मिथिलेश कुमार ने दानदाताओं द्वारा शिक्षा क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान को प्रेरणादायक बताया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संदीप व्यास ने समाजसेवी शुभकरण बैद द्वारा संचिया लाल बैद ट्रस्ट फंड के ट्रस्टी व रतनगढ़ नागरिक परिषद, सूरत के संरक्षक के रूप में की जा रही सेवाओं की सराहना की। विद्यालय प्रतिनिधि गोपाल शर्मा व विनोद कुमार ने बैद परिवार का आभार जताया।

ईमानदारी की मिसाल बने शिक्षक बाबूलाल किरोड़ीवाल, विद्यालय में हुआ सम्मान

पाटन (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मावंडा आरएस के अध्यापक बाबूलाल किरोडीवाल ने ईमानदारी की अनूठी मिसाल पेश करते हुए रास्ते में पड़ा सोने का मंगलसूत्र उसके वास्तविक मालिक तक पहुंचाया। यह मंगलसूत्र हीरानगर रोड निवासी ओम कंवर का था, जिसे श्री किरोड़ीवाल ने स्वयं उनके घर जाकर सुरक्षित लौटा दिया।किरोड़ीवाल के इस सराहनीय और ईमानदार कार्य के लिए गुरुवार को विद्यालय में उनका सम्मान किया गया। संस्था प्रधान श्रवण चोपड़ा के नेतृत्व में विद्यालय स्टाफ ने माला और साफा पहनाकर उनका अभिनंदन किया तथा उनके इस कार्य की प्रशंसा की।सम्मान समारोह के दौरान उप प्रधानाचार्य लक्ष्मी शर्मा, व्याख्याता रितु कुमारी, रोशन पवार, वरिष्ठ अध्यापक इंद्राज सिंह खारडिया, नेमीचंद, सुशील यादव, बाबूलाल जांगिड, अशोक कुमार शर्मा, सुरेंद्र सिंह शेखावत, नितेश कुमार, सुभाष चंद और ललिता सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।विद्यालय परिवार ने किरोडीवाल के इस आदर्श कार्य को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नवीन का सीए फाउंडेशन परीक्षा में चयन

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय के मंडावा रोड गणपति नगर स्थित राजस्थान पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय के मेधावी छात्र नवीन झाझडिया पुत्र जयप्रकाश झाझड़िया झाझड़िया की ढाणी (सीगड़ा) का प्रथम प्रयास में सीए फाउंडेशन परीक्षा में चयन हुआ है। छात्र की सफलता पर संस्था निदेशक इंजी. प्यारेलाल ढूकिया, सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया, प्रधानाचार्य शुभकरण खीचड ने शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं की। इंजी. ढूकिया ने कहा कि नवीन विद्यालय का नियमित छात्र रहा है। मेधावी नवीन झाझडिया ने अपनी सफलता का श्रेय संस्था निदेशक इंजी. प्यारेलाल ढूकिया, माता- पिता एवं गुरुजनों की मेहनत और स्वयं की लगन को दिया हैं। इस अवसर पर विधार्थी का संस्था परिसर में माल्यार्पण कर मिठाई खिलाकर स्वागत किया व अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का आधार बताया। इस अवसर पर अभिभावक जयप्रकाश झाझडिया, नरेंद्र ढाका, हरेंद्र डारा, नितेश लामोरिया, प्राध्यापक सुधीर शर्मा, मंगलाराम, महावीर शर्मा, मनीष सैनी मौजूद रहे।

'गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध रीफिलिंग पर होगी कार्रवाई'

चूरू (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता कर जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर आपूर्ति की जानकारी दी।

जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने प्रेसवार्ता कर जिले में गैस सिलेंडर आपूर्ति की जानकारी दी।

जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि जिले में उपभोक्ताओं को गैस एजेंसियों के माध्यम से घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उपभोक्ताओं को समय पर घरेलू एलपीजी गैस उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन सतर्क है। जिले में चिकित्सकीय, शैक्षिणक व राजकीय संस्थानों में निर्बाध गैस सिलेंडर उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, जिससे आवश्यक सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। जिला कलक्टर ने बताया कि वर्तमान में जिले में करीब 05 लाख 14 हजार 654 एलपीजी उपभोक्ता हैं। इनमें 05 लाख 13 हजार 951 घरेलू उपभोक्ता व 1063 वाणिज्यिक उपभोक्ता हैं। जिले में 23 इंडियन ऑयल, 12 भारत पेट्रोलियम व 08 हिंदुस्तान पेट्रोलियम सहित कुल 43 एजेंसियां संचालित हैं। घरेलू गैस सिलेंडर का वर्तमान मूल्य 929.50 रुपये है। इसी क्रम में जिले में 04 सीएनजी स्टेशन संचालित हैं और उनकी दैनिक खपत 6000 किलोग्राम है। वर्तमान में कंपनियों के पास 26456 किलोग्राम गैस स्टॉक उपलब्ध है। इसलिए सीएनजी की उपलब्धता भी पूरी तरह सामान्य और पर्याप्त है।

उन्होंने बताया कि जिले में ऑयल कंपनियों द्वारा एलपीजी की आपूर्ति के परिप्रेक्ष्य में जिला नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है। जिले में जिला सतर्कता यूनिट द्वारा गैस एजेंसियों एवं बॉटलिंग प्लांट का भौतिक निरीक्षण कर सतत गैस आपूर्ति के लिए निगरानी के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ एलपीजी वाहनों के सुगम परिवहन हेतु पुलिस व प्रशासन के सहयोग से ग्रीन कॉरिडोर स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं द्वारा आवश्यकतानुसार निर्धारित समयावधि (25 दिन) के भीतर गैस सिलेंडर की बुकिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में गैस के पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा कालाबाजारी के अंकुश के लिए टीमें गठित की गई है। प्रवर्तन निरीक्षक, पुलिस थानाधिकारी व तहसीलदार की संयुक्त टीमें गठित कर घरेलू गैस सिलेंडरों के वाणिज्यिक उपयोग, अवैध भंडारण व रीफिलिंग गतिविधियों तथा कालाबाजारी पर कड़ी निगरानी रखकर नियमित निरीक्षण व कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बताया कि ऑयल कंपनियों द्वारा आवश्यक कदम उठाते हुए घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति 25 दिवस के अंतराल पर उपभोक्ता के घरों पर ही किए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही आपूर्ति आधार जनित ओटीपी तथा डिजीटल बुकिंग एंड डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड द्वारा की जा रही है। ऑयल कंपनियों को पूर्ण निगरानी रखने तथा वैध पंजीकृत उपभोक्ताओं को ही आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने जिले वासियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाहों से घबराने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा कि आमजन से भी पैनिक बुकिंग नहीं करें तथा घरेलू गैस का अनावश्यक भंडारण नहीं करें। गैस के उपयोग में मितव्ययता बरतें तथा सोलर कुकर, इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हा आदि वैकल्पिक ईंधन साधनों का भी उपयोग करें। उन्होंने अपील की है कि आमजन घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध उपयोग, रीफिलिंग या कालाबाजारी की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके और उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि कहीं गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी या अवैध गतिविधि की सूचना मिले तो तुरंत उपभोक्ता मामलात विभाग की हेल्पलाइन नंबर 14435, संपर्क हेल्पलाइन नंबर 181, पुलिस हेल्पलाइन 112 अथवा जिला कंट्रोल रूम नंबर 01562-250927 पर सूचना दें। इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, डीएसओ अंशु तिवाड़ी, प्रवर्तन निरीक्षक संपत कुमार, वसीम सहित मीडियाकर्मी मौजूद थे।

पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों पर विधानसभा को गलत जबाव भेजकर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया

नोहर, (निसं)। नोहर-पल्लू से नोहर-रावतसर सड़क में प्रस्तावित बाईपास का मामला एक बार फिर चर्चा में है। इस मामले में विधायक अमित चाचाण ने स्थानीय पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों पर विधानसभा को गलत जबाव भेजकर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया।

विधायक अमित चाचाण ने बताया कि पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने गलत तथ्य प्रस्तुत कर पीडब्ल्यूडी मंत्री से गलत जवाब पढ़वाया। जोकि सदन कि गरिमा को ठेस पहुंचाता है। इस संबंध में विधायक अमित चाचाण द्वारा विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को पत्र भेजकर सम्पूर्ण मामले से अवगत कराया। पत्र में विधायक ने प्रस्तावित बाईपास में किसानों कि बिना सहमति के सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा अनुचित तरीके से राजस्व रिकॉर्ड में भूमि विभाग के नाम दर्ज कराने के मामले की भी जानकारी देते हुए बताया गया है कि विभागीय कर्मचारियों ने भोले-भाले किसानों के हितों पर कुठाराघात किया है।

किसानों की बिना सहमति के विभाग के नाम भूमि दर्ज कराने के मामले में विभाग के अधिकारियों पर कार्यवाही की जाये। इसके अलावा विधानसभा में झूठी सूचना देकर मंत्री को गुमराह करके गलत तथ्य व आंकडे प्रस्तुत कराने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही कि जाये। विधायक ने विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गये पत्र में बताया है कि नोहर-पल्लू सडक़ से नोहर-रावतसर सडक़ को जोडऩे के लिये शपथ पत्र के आधार पर सांझा खाता में सखातेदारो की बिना सहमति के मनमाने तरीके से एक खातेदार के शपथ पत्र के आधार पर सभी खातेधारो कि भूमि विभाग ने सडक़ की आड़ में गलत तौर पर दर्ज करवा ली। पत्र के अनुसार सार्वजनिक निर्माण विभाग के नाम एसडीएम नोहर के आदेश 24 मई 2024 के आधार पर दर्ज हुई थी। जोकि राजस्व अपील अधिकारी हनुमानगढ़ द्वारा अपने आदेश 18 फरवरी 2026 से उपखंड अधिकारी नोहर का आदेश 24 मार्च 2024 निरस्त कर दिया। पत्र में बताया गया है कि विधानसभा सत्र में पीडब्ल्यूडी मंत्री द्वारा अधिकारियों द्वारा दिये गये गलत आंकडो व तथ्यो को सदन में रखा। विधानसभा में बताया गया कि पीडब्ल्यूडी के नाम नामांतरण दर्ज हो गया है व निर्माण कार्य सुचारू रूप से शुरू है।

जबकि न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी हनुमानगढ़ द्वारा 2 दिसम्बर 2025 से निर्माण कार्य बाबत स्थगन आदेश जारी किया गया था। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने एक अन्य काश्तकार जोकि सीमांत कृषक है। उस पर दबाव बनाकर शपथ पत्र लेना चाहा। जबकि किसान द्वारा इस संबंध में मना कर दिया गया।

किसान के मना करने के बावजूद भी पीडब्ल्यूडी विभाग ने खेत से सडक़ निकालनी चाही तो किसान ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय द्वारा 9 जनवरी 2026 को स्थगन आदेश जारी किया गया। पत्र में बताया गया है कि किसानों के शपथ पत्र जो कि सांझा खाता भूमि है, उनमें से एक किसान का शपथ पत्र लेकर सभी खातोधारो की भूमि हड़प ली गई। पत्र में इस मामले में शामिल विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करने की मांग कि गई है। विदित्त रहे कि उक्त बाईपास का मामला हाल ही में विधायक अमित चाचाण ने विधानसभा में उठाया था। गौरतलब है कि नोहर पल्लू सडक़ से नोहर रावतसर सडक़ (बाईपास) का वर्ष 2023 में विधायक अमित चाचाण द्वारा शिलान्यास किया गया था। इसका अर्थवर्क भी हो चुका है।

भार वाहनों का कर जमा कराने की अंतिम तिथि 15 मार्च

सीकर, (निसं)। जिला परिवहन अधिकारी ताराचंद बंजारा ने बताया कि राज्य में समस्त भार वाहनों के कर जमा कराने की अंतिम तिथि 15 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। माह मार्च 2026 में विभागीय दिशानिर्देशों के अनुसार कर संग्रहण केवल वाहन सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन ही किया जाएगा तथा किसी भी स्थिति में कर संग्रहण हस्तलिखित रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजकीय अवकाश के दौरान भी कार्यालय खुला रहेगा तथा कर संग्रहण का कार्य किया जाएगा। बताया कि 15 मार्च 2026 के पश्चात भार वाहनों का कर 3 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से शास्ति एवं प्रशमन राशि सहित वसूल किया जाएगा। साथ ही 15 मार्च 2026 के बाद बिना कर जमा कराए संचालित वाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग के उड़नदस्तों द्वारा सघन जांच अभियान चलाकर वाहन जब्ती होगी।

वार्ड 36 में रोजेदारों ने रोजा खोलकर अमन-चैन की दुआ मांगी

चूरू (निसं)। जिला मुख्यालय पर वार्ड 36 में दौलतखानी परिवार नौजवान कमेटी की ओर से बुधवार को रोजा इफ्तार दावत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोजेदारों ने भाग लिया और मगरिब की अजान के साथ ही रोजा खोला। 21वें रोजे पर यह इफ्तार दावत आयोजित की गई।

इस दौरान रोजेदारों ने रोजा खोलकर देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की कामना की। अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अख्तर खान ने बताया कि चूरू में हमेशा से ही आपसी भाईचारा और सौहार्द पूर्वक त्योहारों को मनाते हैं। उन्होंने बताया कि चूरू एक गंगा जमुना तहजीब है, हमारा भारत दुनिया का सबसे अच्छा और विकसित देश है। मगरिब की नवाज उर्दू अदीब करामत खान ने अदा करवायी। इस अवसर पर सीआई मुकुट बिहारी मीणा, डॉ. महेश शर्मा, मेगाराम गोदारा, भास्कर शर्मा, पीसीसी महासचिव मुस्ताक खान, अख्तर खान, सुरेंद्र बावलिया, पार्षद राजकुमार शर्मा, हाजी शरीफ सोलंकी, हाकम अली खान, यूनुस खान, सज्जन टाक, नौशाद खिलजी, मोहम्मद हुसैन, रमजान खान, इरशाद भाटी, धोलू खां, निजाम खान, मकसूद खान, तारिक खिलजी, इस्लाम खान, नासिर खान, अकरम खान सहित बड़ी संख्या में रोजेदार व शहर के गणमान्य जन उपस्थित थे।

जिला मुख्यालय पर वार्ड 36 में दौलतखानी परिवार नौजवान कमेटी की ओर से रोजा इफ्तार दावत का आयोजन किया गया।

सार-समाचार

एनएसएस विशेष शिविर का समापन

सीकर, (निसं)। राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय, सीकर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विशेष शिविर के सातवें दिन समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता पाण्डेय ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय लोसल की प्राचार्य डॉ. पुष्पा चौधरी उपस्थित रहीं। समापन समारोह के साथ ही महाविद्यालय के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के तत्वावधान में इलेक्टोरल लिटरेसी फेस्टिवल का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपखंड अधिकारी सीकर निखिल कुमार पोद्दार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वीप प्रकोष्ठ अधिकारी सीकर चन्द्र प्रकाश महर्षि उपस्थित रहे। फेस्टिवल के अंतर्गत रंगोली, पोस्टर, मेहंदी तथा व्याख्यान,काव्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को लोकतंत्र में मतदान के महत्व तथा मतदाता जागरूकता के संबंध में जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के संदीप कुमार सैनी, डॉ. विपिन कुमार बगड़िया, एनएसएस प्रथम इकाई अधिकारी मधुसूदन जांगिड़, द्वितीय इकाई अधिकारी माधुरी कुमावत तथा इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब की सह-प्रभारी पूनम पंजाबी, डॉ. अंकिता, पूजा छाबड़वाल सहित महाविद्यालय का स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अभियुक्त को किया दोषमुक्त

तारानगर (निसं)। तारानगर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार मीणा ने एनडीपीएस के एक दस वर्ष पुराने प्रकरण में अभियुक्त को दोषमुक्त किया है मामले में अभियुक्त की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता पवन योगी ने बताया कि तारानगर पुलिस ने सारायण निवासी मनीराम नाथ के कब्जे से 7 किलो 900 ग्राम गांजा बरामदगी के मामले में आरोप पत्र पेश किया था जिसमें न्यायालय ने दस वर्ष लम्बे विचारण के बाद अभियुक्त मनीराम नाथ को दोषमुक्त घोषित कर दिया अभियुक्त मनीराम नाथ की ओर से मामले में पैरवी एडवोकेट पवन योगी, महेन्द्र कुमार यादव, प्रदीप योगी व बलवान शिला ने की।.

ब्लड बैंक का उद्घाटन कल

सीकर, (निसं)। स्टेशन रोड स्थित शेखावाटी जनाना हॉस्पिटल एण्ड मेडिकल रिसर्च सेंटर में ब्लड बैंक का उद्घाटन 14 मार्च को सुबह 10 बजे किया जाएगा। हॉस्पिटल के अध्यक्ष कैलाशचंद मोदी ने बताया कि ब्लड बैंक का उद्घाटन डॉ. अशोक महरिया करेंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान शेखावाटी के सुप्रसिद्ध समाजसेवी स्व. बद्रीनारायण सोढाणी की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का भी आयोजन रखा गया है।

स्काउट गाइड की बैठक संपन्न

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के तत्वावधान में जिला कार्यकारिणी समिति बैठक का आयोजन मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि बैठक के दौरान गत जिला कार्यकारिणी समिति के कार्यवृत्त की पुष्टि एवं अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

शेखावाटी पंचगौरव उद्योग एवं राजसखी मेले का उद्घाटन आज

सीकर, (निसं)। पंच गौरव उत्पादों के संवर्धन एवं संरक्षण के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा घोषित पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत सीकर जिले के लिए चयनित एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत शेखावाटी पंचगौरव उद्योग एवं राजसखी मेले का आयोजन 13 मार्च से 20 मार्च 2026 तक अरबन हाट, कृषि उपज मंडी के सामने, जयपुर रोड, सीकर में किया जाएगा।

जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक विकास सिहाग ने बताया कि मेले का विधिवत उद्घाटन 13 मार्च 2026 को सायं 6 बजे किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में जिला प्रशासन के अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने बताया कि मेले में लगभग 100 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत एक जिला एक उत्पाद की स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी, जिसमें रामगढ़ शेखावाटी का हस्तशिल्प फर्नीचर, लैदर उत्पाद, कश्मीरी ऊनी वस्त्र, हैंडलूम वस्त्र, मोजडियां, रेडीमेड गारमेंट, इमीटेशन ज्वेलरी, मसाले, लाख व टेराकोटा के हस्तनिर्मित उत्पाद तथा एमएसएमई इकाइयों के विभिन्न उत्पाद प्रदर्शित एवं विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मेले के दौरान प्रतिदिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। 14 मार्च को शेखावाटी कच्ची घोडी एवं चकरी नृत्य, 15 मार्च को शेखावाटी फागोत्सव, 16 मार्च को चरी नृत्य एवं मैजिक शो, 17 मार्च को गवाई व घूमर नृत्य तथा रामगढ़-लक्ष्मणगढ़ की पार्टी द्वारा ढप-चंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इसी दिन उद्योग विभाग द्वारा एक जिला एक उत्पाद विषय पर कार्यशाला का आयोजन भी किया जाएगा।

क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

सीकर, (निसं)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय कटराथल, सीकर में गुरुवार को क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन भूकंप आपदा को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान एनडीआरएफ की 6वीं बटालियन की टीम ने भूकंप की काल्पनिक स्थिति बनाकर राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया। मॉक ड्रिल के अनुसार विश्वविद्यालय परिसर में भूकंप आने की सूचना मिलते ही जिला कंट्रोल रूम को अलर्ट किया गया। सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची।

रंग और भाईचारे के साथ मना रंगोत्सव

पाटन (निसं)। होली पर्व के उपलक्ष में मिलन गार्डन, नीमकाथाना में रंगोत्सव होली स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लेकर फूलों की होली खेली और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उत्सव का आनंद लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान रंगों, संगीत और उत्साह से माहौल पूरी तरह होलीमय बना रहा। समारोह में नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी, पूर्व राज्य मंत्री राजेन्द्र गुढा, पूर्व प्रधान राजेन्द्र यादव, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष महेश मेगोतिया, राजेन्द्र महराणियां सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अतिथियों ने मंच से क्षेत्रवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया।कार्यक्रम संयोजक भूपेन्द्र सिंह तंवर (मावंडा) ने सभी अतिथियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में आपसी एकता और भाईचारा मजबूत होता है। आयोजन समिति के प्रवीण जाखड और राजपाल डोई ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद अभय डांगी, रामचंद्र जाखड और जयचंद डांगी भी मौजूद रहे।

होली स्नेह मिलन समारोह में जनसैलाब उमड़ा।

कार्यक्रम में समाजसेवियों में गोकुल दीवाच, रामसिंह डांगी, बंटेश सैनी, गिरधारी लाल बागड़ी, जयसिंह बड़सरा, रणजीत कुडी, सुन्दर पहलवान, लक्ष्मण गुर्जर, रणधाव सिंह, सुरेश गुर्जर, रोशन मुंडोतिया, अशोक नानगवास, विजय बिजारणियां, अजीत डाबला सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।समारोह में क्षेत्र के कई वर्तमान और पूर्व सरपंच भी उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व सरपंच जेपी कस्वां, ताराचंद सैनी, बाबूलाल चौहान, गोपाल सैनी, लक्ष्मण सिंह तंवर, महावीर सैनी, मालीराम बड़सरा, वीरेंद्र कुड़ी, इंजी. बबीता देवी, अनीता देवी, श्रवण सैनी और जयसिंह भगेगा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।कार्यक्रम में बडी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, युवा और महिलाएं उपस्थित रहे और सभी ने उत्साहपूर्वक रंगोत्सव का आनंद लिया।

Regional Office
RAJASTHAN STATE POLLUTION CONTROL BOARD
Shiv Singhpura Housing Board, Nawalgarh Road, Sikar-332001
Phone: 01572-248009.e-mail: rorpcb.sikar@gmail.com
RPCB/RO Sikar/SIK-PH-037/ Date: /02/2026
पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई की आम सूचना
विषय :- मैसर्स श्रेय मोदी, एम एल नम्बर 03/2024 (रेफरेन्स नम्बर 202410000108599), खसरा नम्बर 342, 343, 354 एवं 955/355, निकट ग्राम भागेश्वर, तहसील पाटन एवं जिला सीकर में प्रस्तावित चेजा पत्थर की खनन परियोजना पर्यावरण स्वीकृति के लिए लोक सुनवाई।
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मैसर्स श्रेय मोदी द्वारा प्रस्तावित माईनिंग परियोजना जिसमें चेजा पत्थर जो कि माईनिंग कलस्टर क्षेत्र 10.1904 हेक्टेयर,एल नम्बर 03/2024(रेफरेन्स नम्बर 202410000108599), खसरा नम्बर 342, 343, 354, एवं 955/355, निकट ग्राम भागेश्वर, तहसील पाटन एवं जिला सीकर में स्थित है से संबंधित प्रार्थना पत्र मय दस्तावेज पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक समूह खनन परियोजना लोक सुनवाई हेतु प्रस्ताव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहां तथा बाद में मण्डल के नाम से अभिलिखित) को प्रस्तुत किया गया है।
और चूंकि मैसर्स श्रेय मोदी ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल को उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक समूह खनन परियोजना की लोक सुनवाई हेतु मण्डल को आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त परियोजना हेतु वन एव पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1533 दिनांक 14.09.2006 ओर एस.ओ. 141 ई दिनांक 15.01.2016 के प्रावधानों के अनुसरण में जन सुनवाई हेतु इस आशय की सूचना जारी कर 30 दिवस का नोटिस दिया जाना आवश्यक है।
उक्त परियोजना से सम्बन्धित संक्षिप्त अभिलेख (कार्यालय सारांश) एवं संक्षिप्त कार्यपालक सार अभिलेख निम्न कार्यालयों में अवलोकनार्थ उपलब्ध है:-
xii. जिला कलेक्टर, सीकर।
xiii. अतिरिक्त जिला कलेक्टर, नीमकाथाना, जिला सीकर।
xiv. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, मण्डल मुख्यालय 4 संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर।
xv. क्षेत्रीय कार्यालय, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, ए-218, अरण्य भवन झालाना संस्थानिक क्षेत्र जयपुर।
xvi. महा प्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, सीकर।
xvii. उपखण्ड अधिकारी, नीमकाथाना जिला सीकर।
xviii. क्षेत्रीय प्रबंधक रीको, सीकर।
xix. ग्राम पंचायत, भागेश्वर, तहसील पाटन एवं जिला सीकर।
xx. राजीव गांधी सेवा केन्द्र, ग्राम दरीबा, तहसील नीम का थाना एवं जिला सीकर।
xxi. निदेशक, पर्यावरण विभाग, कमरा संख्या 8240 द्वितीय तल, उ-प (एसएसओ) भवन, सचिवालय, जयपुर।
xxii. क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, सीकर जिला सीकर।
अतः सर्वसाधारण को कार्यालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सीकर के पत्र क्रमांक 851 दिनांक 25.02.2026 के क्रम में इस आम सूचना के माध्यम से एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त समूह खनन परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित जन सुनवाई हेतु दिनांक 15.04.2026 (बुधवार) को दोपहर 11:00 बजे, स्थान - राजीव गांधी सेवा केन्द्र,ग्राम दरीबा, तहसील नीम का थाना एवं जिला सीकर में उपस्थित होकर अपने लिखित / मौखिक आक्षेप / सुझाव प्रस्तुत कर सकते है । साथ ही इस सम्बन्ध में लिखित सुझाव/आपत्ति इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, सीकर जिला सीकर में दिये जा सकते है। यह आम सूचना वैशिक महामारी कोविड-19 से संबंधित केंद्रीय/राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर पारित निर्देशों के अनुरूप एवं अधीन रहेगी तथा सभी प्रावधानों/सावधानियों की पालना सुनिश्चित करनी होगी।
क्षेत्रीय अधिकारी,
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, सीकर

जोधपुर में कमर्शियल गैस सिलेण्डरों की आपूर्ति रुकने से कई उद्योग संकट में

आपूर्ति रुकने से होटल, रेस्टोरेंट सहित इंडस्ट्री को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है

- घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर बुकिंग नहीं होने और केवाईसी नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं
- घरेलू गैस सिलेंडर की केवाईसी और बुकिंग करवाने के लिए एजेंसी के बाहर लंबी कतारें लगी हुई है

जोधपुर, (कासं)। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के चलते भारत में तेल, गैस की आपूर्ति बाधित हुई है। इसके चलते जोधपुर में कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति रोक दी गई। इससे होटल, रेस्टोरेंट सहित इंडस्ट्री को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर बुकिंग नहीं होने और केवाईसी नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। घरेलू गैस सिलेंडर की केवाईसी और बुकिंग करवाने के लिए एजेंसी के बाहर लंबी कतारें लगी हुई है।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में इंडियन गैस एजेंसी के संचालिका दीप्ति जैन ने बताया कि बुकिंग के लिए अब सभी उपभोक्ताओं की केवाईसी अनिवार्य कर दी गई है। ऐसे में बुकिंग के लिए सभी लोगों को पहले केवाईसी करवानी होगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल गैस सिलेंडर की आपूर्ति की कोई समस्या नहीं है। सभी को सिलेंडर मिल जाएगा, लेकिन इसमें थोड़ा समय लग सकता है।

एजेंसी के कर्मचारी ने बताया कि पिछले तीन-चार दिन से गैस सिलेंडर की बुकिंग और केवाईसी के पोर्टल पर सर्वर डाउन होने की समस्या आ रही है, जिसके चलते उपभोक्ताओं और एजेंसी के कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय तक लाइन में लगने के चलते जहां उपभोक्ता में गुस्सा है और वे एजेंसी के कर्मचारियों से भी उलझ रहे हैं।

जोधाणा होटल्स एण्ड रेस्टोरेन्ट्स् सोसायटी ने जिला आपूर्ति अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कमर्शियल गैस की सप्लाई से हो रही समस्याओं से अवगत करवाया। जोधाणा होटल्स एण्ड रेस्टोरेन्ट्स् सोसायटी के अध्यक्ष जे.एम. बूब और सचिव राजेश सिंघवी ने ज्ञापन में बताया कि जोधपुर शहर में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की अचानक कमी के कारण होटल, रेस्टोरेंट एवं मैरिज गार्डन उद्योग के समक्ष गंभीर संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे शहर में अव्यवस्था एवं घबराहट की स्थिति बनने की संभावना है।

सरकार ने सभी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को निर्देशित किया है कि एलपीजी की आपूर्ति एवं विपणन केवल घरेलू उपभोक्ताओं को ही सुनिश्चित किया जाए। इन निर्देशों के अनुपालन में एलपीजी आपूर्ति करने वाली कंपनियां द्वारा होटल, रेस्टोरेंट एवं मैरिज गार्डन संचालकों को सूचित किया गया है कि पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध नहीं होने तथा मंत्रालय के उपरोक्त निर्देशों के कारण वे फिलहाल वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति करने में असमर्थ हैं। ज्ञापन में बताया कि वाणिज्यिक उपयोग हेतु एलपीजी की आपूर्ति नहीं मिलने के कारण होटल, रेस्टोरेंट एवं मैरिज गार्डन उद्योग गहरे संकट में आ गया है तथा इन क्षेत्रों में हजारों कुशल एवं अकुशल श्रमिकों को रोजगार प्राप्त होता है, जो इस संकट से गंभीर रूप से प्रभावित होंगे। एलपीजी आपूर्ति नहीं होने की स्थिति में होटल रसोई का संचालन संभव नहीं रहेगा, जिससे देशी एवं विदेशी पर्यटकों को भारी असुविधा होगी तथा होटलों को संचालन बंद करने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही होटल एवं रेस्टोरेंट उद्योग में कार्यरत कर्मचारियों को सामान्यतः स्टाफ कैफेटेरिया में भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

उदयपुर : कमर्शियल सिलेंडर के संकट से पर्यटन क्षेत्र प्रभावित

उदयपुर, (कासं)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के तनाव के बाद गैस सिलेंडर को लेकर शुरू हुई मारामारी के बीच उदयपुर में गुरुवार से होटल और रेस्टोरेंट पर असर दिखने लगा है। यहां एक रेस्टोरेंट ने लंच और ब्रेक फॉस्ट बंद कर दिया है। इधर वीआईपी कॉलोनी में कॉमर्शियल सिलेंडर से अवैध रिफिलिंग का काम हो रहा था। डीएसओ की टीम ने छापा मारकर 6 सिलेंडर जब्त किए हैं।

गौरतलब है कि उदयपुर की ओल्ड सिटी में टूरिस्ट की परेशानियां बढ़ने लगी है। यहां पिछोला झील किनारे स्थित रेस्टोरेंट पर सीधे असर दिखने लगा है। यहां हनुमान घाट स्थित हनुमान होटल एंड रेस्टोरेंट में गैस सिलेंडर के संकट के चलते सुबह का लंच और ब्रेक फास्ट बंद कर दिया है। टॉप पर जो रेस्टोरेंट है वह लंच टाईम तक सूना पड़ा है। टूरिस्ट आ रहे हैं, लेकिन उनको पूरे आग्रह के साथ समझा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक दिन पहले हमने गैस की कमी को लेकर निर्णय किया और आजे से लंच और ब्रेक फॉस्ट बंद कर दिया है।

उदयपुर कलैक्टर नमित मेहता ने बताया कि कॉमर्शियल सिलेंडरों के अवैध उपयोग और रिफिलिंग के विरूद्ध सघन जांच कार्रवाई शुरू की।

अवैध रिफिलिंग की सूचना पर रसद विभाग की प्रवर्तन अधिकारी मानसी पण्ड्या, प्रवर्तन निरीक्षक डॉ. कोमल सिंह सोलंकी सहित टीम ने सविना स्थित वीआईपी कॉलोनी में आकस्मिक जांच की। इस दौरान व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के अवैध रिफिलिंग पर 6 व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए। जिला रसद अधिकारी ने बताया गया कि उक्त कार्रवाई में प्रकरण दर्ज किया जाकर जांच करते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्मी को 20 साल की सजा सुनाई

जालोर, (कासं)। पॉक्सो न्यायालय जालोर की विशिष्ट न्यायाधीश सीमा जुनेजा ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को बीस साल की सजा सुनाई है।

विशिष्ट लोक अभियोजक रणजीत सिंह राजपुरोहित के अनुसार पीड़िता की माता ने 18 सितंबर 2024 को पुलिस थाना आहोर में रिपोर्ट पेश कर बताया कि परिवादिया अपने पति, पुत्र व पुत्री के साथ करीब चार माह पूर्व मूर्ति बनाने के कार्य के लिए आंध्रप्रदेश गये थे। पीछे घर पर अन्य तीन पुत्रियां पीड़िता को दादा-दादी, बड़े पापा के पास छोड गए थे। उनके देशावर जाने के कुछ दिन बाद परिवादिया की नाबालिग पुत्री पीड़िता जिसकी उम्र14 वर्ष है, अपनी छोटी बहिन के लिए रोटी लेने अपने बड़े पापा के घर गई, जहां पर लड़का विक्रम कुमार पुत्र रमेश कुमार घर पर था, अन्य कोई नहीं था। जैसे ही पीड़िता रोटी लेने लगी तो विक्रम ने पीड़िता से बलात्कार किया। पीड़िता चिल्लाई तो बड़े पापा व बड़ी मम्मी आई तो उनको बात बताई। इतने में विक्रम वहां से भाग गया। इसके बाद लगातार घर पर कोई नहीं होने पर जबरन अनाधिकृत रूप से घर में आकर जबरन दुष्कर्म करता, उक्त रिपोर्ट पर पुलिस थाना आहोर मे पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बाद अनुसंधान आरोप पत्र न्यायालय मे पेश किया। न्यायालय ने दोनों पक्षो की बहस सुनने और पत्रावली का अवलोकन करने के बाद पोक्सो न्यायालय की न्यायाधीश सीमा जुनेजा ने आरोपी विक्रम को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी मानते हुए बीस साल के कारावास की सजा सुनाई। सरकार की ओर से पैरवी विशिष्ट लोक अभियोजक रणजीत सिंह राजपुरोहित ने की।

नौ किलो अवैध गांजा पकड़ा

टोंक, (निसं)। अति. पुलिस अधीक्षक कमल प्रसाद के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा बुधवार देर रात्रि को पुलिस थाना नगरफोर्ट क्षैत्र के बालागढ़ सतवाडा गांव में छापामार कर आरोपी जंसी मीणा पुत्र छोटू लाल मीणा निवासी बालागढ़ के मकान से उसकी मोटरसाइकिल से करीबन नौ किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया है।

इस दौरान आरोपी मौके से फरार था। आरोपी के विरुद्ध पुलिस थाना नगर फोर्ट पर एनडीपीएस में प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान जारी है। डीएसटी ने बताया कि आरोपी काफी समय से घाड़, नगरफोर्ट, दूनी व नैनवा इलाके में गांजे की सप्लाई करता था। सूचना के बाद टीम ने मौके से एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा, करीबन 4.30 लाख रुपए कीमत का करीबन 9 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, एक पल्सर मोटरसाइकिल, आरोपी का भी मोबाइल जब्त किया गया है।

कार्यालय उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग, धौलपुर

File No:- 1037 Date:-05-03-2026

Notice Inviting Bid

Bids For Procurement of Development Drinking Water Facility work (Name (s) Of Subject Matter (s) Of Procurement) Are Invited From Interested Bidders Upto 06-00 P.M. (Time) 16-03-2026 (Date). Other Particulars Of The Bid May Be Visited on the procurement portal the (http://eproc.rajasthan.gov.in, http:sppp.raj.nic.in) of state; and www.wcd.rajasthan.gov.in department website. The approximate valu of the procurement is Rs 54.40 LAKH.

UBN NO.ICD2526WSOB02029

NIB NO.ICD2526A1502

(Bhoopesh Garg)
Deputy Director
Women and Chiid Development Department
Dholpur (Raj)

DIPR/C/4959/2026

राजस्थान सरकार

कार्यालय चिकित्सा अधीक्षक, प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पी.बी.एम.) सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर

क्रमांक:-ए.जी.एच./ लेखा (क्रय)/2026/8352 दिनांक :- 11/03/2026

ई-बोली आमंत्रण सूचना (E-NIB No. 23/2025-26)

पी.बी.एम. चिकित्सालय में विभिन्न प्रकार के इलैक्ट्रिक आईटम क्रय (2 वर्ष) हेतु आमंत्रित निविदा (दोहरी बिड पद्धति) में इच्छुक बोलीदाता दिनांक 12.02.2026 से 16.03.2026 सांय 05:00 बजे तक निविदा डाउनलोड/अपलोड कर सकते है। बोली आमंत्रण सूचना की महत्वपूर्ण शर्तें व पूर्ण विवरण "http://eproc.rajasthan.gov.in" तथा "http://sppp.rajasthan.gov.in" पर देखी जा सकती है। ई-बोली की कुल अनुमानित लागत 70 लाख है।

UBN NO. :-MCB2526GLRC00304

चिकित्सा अधीक्षक
प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पी.बी.एम.)
सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर

DIPR/C/5327/2026

कार्यालय उप निदेशक, उद्यान, आम उत्कृष्टता केन्द्र, खेमरी (धौलपुर)

निविदा सूचना

आम उत्कृष्टता केन्द्र, खेमरी (धौलपुर) पर विभिन्न कार्यों हेतु निविदा आंमत्रित की जा रही है। निविदा सम्बन्धित सूचना, विवरण, शर्ते व प्रपत्र आदि पोर्टल Eproc.rajasthan.gov.in & sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN No.-HOR2526SLRC000221 & HOR2526WSOB00223, Tender ID-2026_HORTI_543885_1

(कृष्ण कुमार)
उप निदेशक उद्यान
आम उत्कृष्टता केन्द्र, खेमरी

DIPR/C/5105/2026

बॉर्डर एरिया में जमीनों की खरीद-फरोख्त का मामला एक बार फिर सुर्खियों में

- बाहरी लोगों को बेची थी 1300 बीघा से ज्यादा जमीन, अदालतों में 53 केस दर्ज

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाक सीमा के प्रतिबंधित इलाकों में जमीनों की खरीद-फरोख्त का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। पूगल क्षेत्र में 7.58 हेक्टेयर यानी करीब 30 बीघा कृषि भूमि की रजिस्ट्री को कोर्ट ने रद्द करने के आदेश दिए हैं। ऐसे कुल 53 मामले बीकानेर की विभिन्न सिविल की अदालतों में चल रहे हैं। अधिकांश में कमजोर पैरवी के चलते सरकार हार गई। अब धीरे-धीरे सभी मामले री स्टोर किए जा रहे हैं।

बॉर्डर पर जमीनें बिकने का मामला वर्ष 2006 में उजागर हुआ था। हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों के लोगों ने 1300 बीघा से अधिक जमीन की खरीद-फरोख्त की थी। उप पंजीयकों ने आंखें बंद करके रजिस्ट्रियां कर दीं, जबकि नोटिफाइड एरिया में सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना प्रवेश तक नहीं किया जा सकता। क्रेताओं के पास प्रवेश की वैध अनुमति ही नहीं थी। बिना अनुमति बॉर्डर के प्रतिबंधित एरिया में प्रवेश कर जमीनें खरीदने को गलत माना गया। राजस्व विभाग के आदेश पर सिविल न्यायालयों में उप पंजीयक, आईजी स्टाम्प, अजमेर और राज्य के वित्त विभाग की ओर से वाद दायर कराए गए। अदालतों जवाब पेश करने के लिए उप पंजीयकों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया, लेकिन समय पर उपस्थित नहीं होने और साक्ष्य पेश नहीं करने पर ज्यादातर मामलों में सरकार हार गई। अदालतों में फाइलें खारिज कर दी गईं। अब ये मामले वापस रिकॉर्ड पर लेकर री स्टोर किए जा रहे हैं। इनमें से तीन-चार मुकदमे हाईकोर्ट में चल रहे हैं। लंबे समय बाद पूगल में जमीन की खरीद-फरोख्त का मामला सरकार के पक्ष में आया है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने बीकानेर के पाकिस्तान सीमा से सटे बीकानेर-छत्तरगढ़ तहसील के कुछ गांव, बज्जू, पूगल और खाजूवाला क्षेत्रों की सीमा से सटी जमीन को नोटिफाइड एरिया घोषित किया हुआ है। यहां पर बाहरी व्यक्ति को प्रवेश करने के लिए सक्षम अधिकारी से अनुमति लेना जरूरी है। सीमावर्ती क्षेत्र सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण ना केवल संपत्ति अंतरण के लिए बल्कि अन्य प्रयोजन से प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों/वाहनों के प्रवेश अनुमति एवं मूवमेंट्स का रिकॉर्ड संधारण आवश्यक है। जहां तक संपति अंतरण यानि खरीद फरोख्त के न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों में निर्णय सरकार के खिलाफ होने का प्रश्न है, मेरी दृष्टि में इसका एक कारण राजकीय अभिभाषकों पर अत्यधिक वर्क लोड है। बारीक विभेद के मामलों में संदेह का लाभ परिवादी को मिलने की संभावना अधिक होती है। पूरे मामले में विभाग की ओर से नियुक्त प्रभारी अधिकारी की सजगता भी निर्णायक होती है उन्हें हर पेशी में कोर्ट में उपस्थित होकर साक्ष्य पेश करने चाहिए, जिससे सरकारी वकील भी मजबूती से पैरवी कर सके।

जमीन विवाद में महिला हैड कांस्टेबल पर बंदूक तानी

- महिला हेड कांस्टेबल व उसके साथ गए दो-तीन अन्य लोगों को जान बचाकर वहां से भागना पड़ा था, पुलिस थाने में मामला दर्ज

बीकानेर, (निसं)। उदासर स्थित ट्रायो नगर में जमीन विवाद में महिला हैड कांस्टेबल पर बंदूक तानने और उससे मारपीट का प्रयास करने का मामला सामने आया है। व्यास कॉलोनी थाना पुलिस मामले की जांच करेगी।

तिलक नगर निवासी महिला हैड कांस्टेबल सुनीता जाट की ओर से व्यास कॉलोनी पुलिस थाने में दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि उसने वर्ष-2008 में रामप्रसाद शर्मा से जरिये बयनामा उदासर के ट्रायो नगर में प्लॉट खरीदा था। वहां अन्य लोगों ने भी प्लॉट ले रखे हैं। ट्रायो इन्वेस्टमेंट कंपनी ने कॉलोनी काटी थी, जिसका निदेशक अनिल पारीक है। 6 मार्च को वह अपने प्लॉट पर गई तो दीवार टूटी थी। अनिल कुमार ने कुलदीप उर्फ हेमसिंह, रामेश्वरसिंह व अन्य के साथ मिलकर बिरजू बावरी व उसके परिवार को प्लॉट पर कब्जा करने की नीयत से बैठा दिया था। उन्हें दीवार तोड़ने और ईंटें चोरी करने की शिकायत की तो बिरजू व उसके परिवार के लोगों ने मारपीट की कोशिश की और वर्दी फाड़ दी। हेमसिंह, अनिल व रामेश्वरसिंह को बुला लिया। कुलदीप उर्फ हेमसिंह ने बंदूक तान दी। महिला हेड कांस्टेबल व उसके साथ गए दो-तीन अन्य लोगों को जान बचाकर वहां से भागना पड़ा। व्यास कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच एसएचओ विक्रम तिवाड़ी करेंगे।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि.,खण्ड धौलपुर

क्रमांक:-7260-7267 संशोधन - पत्र दिनांक:- 10.02.2026

आर.ओ. नं0 1231 दिनांक 23.01.2026

इस कार्यालय के पत्रांक 6911-27 दिनांक 16.01.2026 के द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या 15/2025-26, जो दिनांक 21.01.2026 से 10.02.2026 सांय 6.00 बजे तक बेची जाकर दिनांक 11.02.2026 को खोली जाने वाली निविदा अपरिहार्य कारणों से अब दिनांक 17.02.2026 तक बेची जाकर दिनांक 18.02.2026 को सांय 04.00 बजे खोली जावेगी। निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

NIB Code PWD2526A5223

UBN No. PWD2526WSOB21232

(नरेश चन्द मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड धौलपुर

DIPR/C/3142/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PHED DIVISION KARAULI

PH NO.-07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for transportation of water through tanker under Division Karauli are invited from interested bidders up to 09.03.2026 other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE:-PHE2526A6919

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	169/2025-26	PHE2526 WSOB14946	2	170/2025-26	PHE2526 WSOB14947
01	Total work		02		
02	Total Estimate Cost		40.00 Lac		
03	Bid submission end date		09.03.2026 up to 12.00 PM		
04	Bid opening date		09.03.2026 at 04.00 PM		

(Vijay Kumar Meena)
Executive Engineer
PHED Division Karauli

DIPR/C/4910/2026

फायरिंग की घटना का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

छह अवैध पिस्टल , 11 मैग्जीन बरामद, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस थाना क्षेत्र के पाल रोड स्थित मंगलदीप कॉम्पलैक्स में फायरिंग की घटना का पुलिस ने गुरूवार को खुलासा करते हुए संगठित अपराध से जुड़े आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने छह अवैध पिस्टल और 11 मैंगजीन बरामद किये हैं। प्रकरण से जुड़े अन्य लोगों की तलाश पुलिस कर रही है। मामले में दो लोगों का अस्पताल में उपचार जारी है। एक को अभी होश आना बाकी है। पुलिस की तरफ से हत्या प्रयास एवं आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस आयुक्त शरत कविराज, पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार बंसल, डीसीपी ईस्ट पीडी. नित्या के निर्देशानुसार व एवं एडीसीपी वेस्ट रोशन मीणा धन्नाराम की त्वरित अनुसंधान निष्पादन टीम व एसीपी प्रतापनगर रविन्द्र बोथरा, एसीपी पश्चिम छवि शर्मा के सुपरविजन में चौहाबोर्ड थानाधिकारी सुरेश चौधरी के नेतृत्व में मंगलदीप कॉम्प्लेक्स में फायरिंग की घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरन्त खुलासे के लिए अलग-अलग टीमे गठित की गई।

मामले के अनुसार पाल रोड स्थित मंगलदीप कॉम्पलैक्स के फ्लैट नं. 402 में फायरिंग की सूचना मिली थी। फ्लैट में छोटू सिंह पुत्र माधुसिंह निवासी सोलंकिया तला देवराजगढ़ व अनिल पुत्र जीवनराम निवासी रावत नगर भदवासिया के अंदर मण्डोर रोड तथा देवेन्द्र उर्फ मनसा उर्फ मन्नु पुत्र भंवर सिंह निवासी जालम विलास पावटा जोधपुर के बीच में फायरिंग होने से छोटू सिंह घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती था। अनिल को एम्स अस्पताल आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया था। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने के एएसआई अनिल कुमार की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। मौके पर पुलिस ने एफएसएल और एमओबी को भी बुलाया था।

फायरिंग की इस घटना को देखते हुए घटनास्थल पर सीएसटी, डीएसटी पश्चिम व डीएसटी पूर्व, थानाधिकारी बोरानाडा, बासनी, शास्त्रीनगर, कुड़ी भगतासनी व माता का थान आदि को लगाया गया। पुलिस की टीमों ने 10-12 जगह दबिश दी। पुलिस ने अब संगठित अपराध से जुड़े आरोपी भावण्डा नागौर हाल ओमनगर माता का थान निवासी देवेन्द्र सिंह उर्फ मनसा पुत्र भंवरसिंह को जालोर जिले के आहोर से दस्तयाब किया है। आरोपी की निशादेही पर 6 अवैध पिस्टल मय 11 मैग्जीन बरामद किए गए। संगठित अपराध से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

पुलिस की अब तक की जांच में पता लगा कि घायल छोटू सिंह गैस पाइपलाइन पर किसी ठेका कंपनी पर कार्य करता है। अनिल और गिरफ्तार आरोपी देवेंद्र सिंह सीजिंग के कार्य से जुड़े है।

फायरिंग का कारण अब तक पहेली : पुलिस के लिए फायरिंग का कारण अब तक पहेली बना हुआ है। फायरिंग किस बात को लेकर हुई इस पर पुलिस ने अब तक चुप्पी साध रखी है। कोई पुराना विवाद होने का भी संदेह जताया जाता है। घायल अनिल के होश में आने पर आगे खुलासे की उम्मीद है।

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। दोवडा थाना क्षेत्र के मोदरा गांव में एक युवक ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मोदरा गांव निवासी विजयपाल अहारी ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार, उनका बेटा विनोद अहारी कुछ समय से मानसिक रूप से बीमार चल रहा था। गुरुवार को विनोद घर के अंदर सोया हुआ थाए तभी उसने अज्ञात कारणों से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। सूचना मिलते ही दोवडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवायाए जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

- अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात में प्रतापनगर थाना क्षैत्र प्रताप नगर से डबोक रोड़ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से कुचला जाने पर माछला मगरा सेक्टर 14 निवासी दिपकसिंह (32) पुत्र सरदारसिंह राणावत की मौत हो गई। दीपक प्राईवेट नौकरी करता था एवं रात में बाइक पर अपने साथियों के साथ जा रहा था, जहां से अचानक प्रतापनगर डबोक रोड़ की तरफ जाते समय हादसा हो गया। सूचना मिलने पर हैड कांस्टैबल नरेन्द्रसिंह ने मौके पर पहुंचकर उसे चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर हैड कांस्टेबल नवलसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर

एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)

Te. Pho. No 02979-283624 E-mail.: eephedscr@gmail.com

क्रमांकः अ.अ./ जन स्वा./ साँ / निविदा/2025-26/1757 दिनांकः- 05/03/02

निविदा सुचना संख्या - 18/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिग प्रकिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate contract for Transportation of water.(Block Sanchore and Chitalawa)
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 19 रु. 250.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	05.03.2026 से 18.03.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	19.03.2026 को 15.00 बजे से
UBN No	PHE2526WSRC15210, PHE2526WSRC15211, PHE2526WSRC15212 PHE2526WSRC15213, PHE2526WSRC15214, PHE2526WSRC15215 PHE2526WSRC15216, PHE2526WSRC15217, PHE2526WSRC15218 PHE2526WSRC15219, PHE2526WSRC15220, PHE2526WSRC15221 PHE2526WSRC15222, PHE2526WSRC15223, PHE2526WSRC15224 PHE2526WSRC15225, PHE2526WSRC15226, PHE2526WSRC15227 PHE2526WSRC15228

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर

DIPR/C/5001/2026

हरलाल सहारण फर्जी टीसी प्रकरण की सुनवाई आज

सरदारशहर एसीजेएम कोर्ट में प्रकरण को लेकर सुनावाई होगी

- चूरू विधायक हरलाल सहारण पर दसवीं की फर्जी मार्कशीट को लेकर जिला परिषद का चुनाव लड़ने का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है

चूरू, (कासं)। विधायक हरलाल सहारण फर्जी टीसी प्रकरण की सुनवाई शुक्रवार को होगी। चूरू विधायक हरलाल सहारण पर दसवीं की फर्जी मार्कशीट को लेकर जिला परिषद का चुनाव लड़ने का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। वर्ष 2019 में पूर्व सरपंच चिमनाराम कालेर ने हरलाल सहारण पर उत्तराखंड माध्यमिक बोर्ड से फर्जी दसवीं की अंकतालिका लेकर चुनाव लड़ने का मामला दर्ज करवाया था, जो वर्तमान में सरदारशहर एसीजेएम कोर्ट में विचाराधीन है।

जानकारी के अनुसार उक्त मामले में उत्तराखंड माध्यमिक बोर्ड के वर्तमान सचिव व पूर्व में रहे सचिव की गवाही होनी थी लेकिन वे न्यायालय के समक्ष हाजिर नहीं हुए, जिसके पश्चात एसीजेएम नवदीप गोदारा ने उक्त दोनों के खिलाफ पहले जमानती वारंट तथा उसके बाद गिरफ्तारी वारंट के जरिए न्यायालय में हाजिर होने के लिए आदेश जारी किया बताया, जिसमें चूरू कोतवाली में कार्यरत एसआई किशनाराम बिश्नोई व एएसआई मनोज कुमार श्योराण न्यायालय के आदेश की अनुपालना के लिए उत्तराखंड गए बताए, लेकिन आदेशों की अनुपालना करवाने में असमर्थ सिद्ध हुए। न्यायालय द्वारा दो बार जमानती वारंट व गिरफ्तारी वारंट जारी करने के पश्चात भी उत्तराखंड बोर्ड के सचिव व पूर्व सचिव का न्यायालय में उपस्थित ना होना आश्चर्य की बात है। शुक्रवार को सरदारशहर एसीजेएम कोर्ट में इस प्रकरण को लेकर सुनावाई होगी।

बाघिन एसटी-17 ने तीन शावकों को जन्म दिया

बाघीन एसटी-17 इससे पूर्व भी शावकों को जन्म दे चुकी है

अलवर, (निसं)। बाघिन एसटी-17 ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इससे सरिस्का बाघ परियोजना में बाघों की संख्या में वृद्धि हुई है।

डीएफओ सरिस्का अभिमन्यु सहारण ने बताया कि बाघिन एसटी-17 ने तीन शावकों को जन्म दिया है। सरिस्का बाघ परियोजना के रेंज अकबरपुर क्षेत्र में कैमरा ट्रैप चित्रों एवं भू गश्त के आधार पर इन शावकों की पुष्टि की गई है। बाघिन एसटी-17 के साथ तीनों शावक कैमरा ट्रैप में स्पष्ट रूप से दिखाई दिए हैं तथा बाघिन व शावकों की गतिविधि सामान्य पाई गई है। संबंधित बाघ मॉनिटरिंग दल को बाघिन एवं उसके शावकों की गतिविधियों पर निरन्तर निगरानी रखने के निर्देश दिये गए हैं। उल्लेखनीय है कि बाघीन एसटी-17 इससे पूर्व भी शावकों को जन्म दे चुकी है तथा यह उसकी दूसरी सफल प्रजनन घटना है। इन तीन नवजात शावकों के जन्म के साथ सरिस्का बाघ परियोजना में बाघों की संख्या में और वृद्धि हुई है।

भीम BHIM | 150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-फागी

बीसलपुर परियोजना कैम्पस के पास, फागी समेलिया रोड, फागी, जयपुर

ई-मेल xenpwdphagi@rediffmail.com, Phone No. 01430-299106

क्रमांक :- स्था. / खण्ड/फागी/2025-26/डी-889 दिनांक :-09.03.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 29/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

FINANCE (G&T) DEPARTMENT NOTIFICATION Jaipur, October 22, 2021 (75A. Additional Performance Security.- (1) In addition to Performance Security as specified in rule 75, an Additional Performance Security shall also be taken from the successful bidder in case of unbalanced bid. The Additional Performance Security shall be equal to fifty percent of Unbalanced Bid Amount. The Additional Performance Security shall be deposited in lump sum by the successful bidder before execution of Agreement. The Additional Performance Security shall be deposited through e-Grass, Demand Draft, Banker's Cheque, Government Securities or Bank Guarantee.)

निविदा का कार्य	Special Repair to Road Work under PWD Dn. Phagi, Jaipur (8 Nos)
कुल राशि (रूपयों में)	261.50 लाख
कुल धरोहर राशि (रूपयों में)	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत / 0.50 प्रतिशत
निविदा आवेदन / डाउनलोड़ करने की तारीख	मंगलवार, 10 मार्च, 2026 अपराहन 3.00 बजे से शनिवार, 14 मार्च, 2026 सायंः 6.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	मंगलवार, 10 मार्च, 2026 अपराहन 3.00 बजे से शनिवार, 14 मार्च, 2026 सायंः 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	सोमवार, 16 मार्च, 2026 को प्रातः 11.00 बजे
प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6 (5) / वित्त/साविलेनि/ 2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आनलाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि 8443-00-108-00-00 ऑफिस आई.डी. 42219

UBN No: (1) PWD2526WSOB25305, (2) PWD2526WSOB25306, (3) PWD2526WSOB25308, (4) PWD2526WSOB25309, (5) PWD2526WSOB25310, (6) PWD2526WSOB25311, (7) PWD2526WSOB25312, (8) PWD2526WSOB25313

NIB No.: PWD2526A6074

(संदीप टाटीवाल)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड-फागी (जयपुर)

DIPR/C/5293/2026

निश्चित समयावधि में काम पूरा नहीं करवाने वालों पर सख्त कार्यवाही होगी'

सड़क परियोजनाओं में देरी होने पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जताई नाराजगी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नियत अवधि तक अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को पूर्ण नहीं करवाने वाले अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की है। पीडब्ल्यूडी मुख्यालय में सड़क एवं अन्य अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि परियोजना के प्राथमिक चरण में ही उसमें आने वाली

- **उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी किसी भी परियोजना का एस्टीमेट और डीपीआर बनाते समय उसमें आने वाली बाधाओं की भी पहचान करें**

बाधाओं का बारीकी से अवलोकन किया जाए। अधिकारियों की लापरवाही से कई परियोजनाएँ वन क्षेत्र, भूमि अवाप्ति सहित विभिन्न कारणों से नियत अवधि पर पूर्ण नहीं हो पाती है। उन्होंने निर्देश दिए है कि अधिकारी किसी भी परियोजना का एस्टीमेट और डीपीआर बनाते समय उसमें आने वाली बाधाओं की भी पहचान करें ताकि आमजन को प्रोजेक्टस का समय पर लाभ मिल सकें। अधिकारी ही अलाईमेंट तय करते है और बाद में प्रोजेक्ट्स में देरी होती है इससे पता चलता है कि अलाईमेंट/डीपीआर/एस्टीमेट बनाते समय ध्यान नहीं रखा गया था। उन्होंने कहा है कि भविष्य में कोई भी काम समय अवधि से ज्यादा डिले होगा तो संबंधितो की जिम्मेदारी तय करते हुए उन पर कार्यवाही होगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पीडब्ल्यूडी मुख्यालय में सड़क एवं अन्य अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की समीक्षा की।

उपमुख्यमंत्री ने 50 करोड़ से ज्यादा लागत की परियोजनाओं की समीक्षा की। पचपदरा-बागडी सेक्शन के फौरलेनकरण का कार्य आगामी दस दिवस में, बालोतरा-संदेराओ में बाईपास निर्माण का कार्य 30 अप्रैल तक, व्हीकल अण्डरपास का कार्य 31 मई तक, अकलेरा बाईपास का काम 31 मार्च तक तथा नार्थन कोटा बाईपास का कार्य जून-जुलाई 2026 तक पूर्ण करवा दिया जायेगा। इस दौरान एसीएस पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डीआर मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव टीसी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं जिलों के अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहें।

पंचायत चुनाव प्रक्रिया में सुप्रीम कोर्ट का दखल से इनकार

- **सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश बिहारी लाल रणवा की एसएलपी को निस्तारित करते हुए दिया**
- **अधिवक्ता अंकुर रस्तोगी ने कहा कि राज्य सरकार पंचायत की चुनाव प्रक्रिया में देरी का प्रयास कर रही है, जबकि राज्य सरकार ने पूर्व में सुप्रीम कोर्ट में यह आश्वासन दिया था कि प्रदेश में चुनाव प्रक्रिया 15 अप्रैल 2026 तक पूरी कर ली जाएगी**

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में पंचायत चुनाव में कथित देरी को लेकर दायर याचिका में दखल से इनकार कर दिया है। वहीं प्रार्थी को छूट देते हुए कहा है कि वह चाहे तो उचित मंच के समक्ष अपना पक्ष रख सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश बिहारी लाल रणवा की एसएलपी को निस्तारित करते हुए दिया।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अंकुर रस्तोगी ने कहा कि राज्य सरकार पंचायत की चुनाव प्रक्रिया में देरी का प्रयास कर रही है, जबकि राज्य सरकार ने पूर्व में सुप्रीम कोर्ट में यह आश्वासन दिया था कि प्रदेश में चुनाव प्रक्रिया 15 अप्रैल 2026 तक पूरी कर ली जाएगी।

ऐसे में प्रदेश में तय समय में ही पंचायत चुनाव की प्रक्रिया पूरी करवाई जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर आवश्यक प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रिया जारी है।

राज्य सरकार अदालत के आदेशों और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार ही चुनाव की कार्रवाई कर रही है। हालांकि राज्य सरकार ने यह भी कहा कि चुनाव कराने से संबंधित प्रक्रियाएं कई प्रशासनिक चरणों से गुजरती हैं और इन्हें पूरा करने में कुछ समय लगना स्वाभाविक है। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनकर कहा कि वह इस स्तर पर मामले में दखल देना नहीं चाहते। ऐसे में याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता है कि यदि उसे अदालती निर्देश के पालन में कोई शिकायत है तो वह उचित मंच के समक्ष जा सकता है।

पॉश इलाके में कैफे की आड़ में नशा पार्टी

जयपुर। राजधानी के सी-स्कीम जैसे पॉश इलाके में कैफे की आड़ में चल रहे अवैध हुक्का बार पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। पुलिस आयुक्तालय की स्पेशल टीम (सीएसटी) और अशोक नगर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कमला मार्ग स्थित मिरावा कैफे एंड रेस्टोरेंट पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से हुक्का बार के मैनेजर को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में नशीला सामान जब्त किया है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि सीएसटी ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि जी-22 कमला मार्ग स्थित मिरावा कैफे के रूफटॉप पर अवैध रूप से हुक्का बार संचालित किया जा रहा है। सूचना पुख्ता होने पर टीम ने दबिश दी, जहाँ आरोपी मोनू सिंह काउंटर पर बैठा मिला।

साइबर ठगी करने वाले नौ आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम ने चित्रकूट थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर लोगों को झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो विधि विवादित बालकों को निरुद्ध किया गया है। सीएसटी ने टीम ने चित्रकूट थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए मोती नगर स्थित मंत्रा रेजीडेंसी के फ्लैटों में दबिश दी, जहां से गिरोह के सदस्य साहिल मीणा, जिला सीकर, राहुल जांगिड़, संदीप, मनीष, विकास गोदारा, आसिफ अली और कबीर दास राणा को गिरफ्तार किया है और साथ ही दो बाल अपचारियों को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 लैपटॉप, 1 टैबलेट, 24 मोबाइल फोन, 25 सिम कार्ड, 12 बैंक पासबुक, 28 एटीएम कार्ड, 5 मोबाइल चार्जर, 4 लैपटॉप चार्जर, 2 एक्सटेंशन बोर्ड और 3 वाई-फाई राउटर जब्त किए हैं।

सिकर रोड गो गैस पेट्रोल पंप पर सीएनजी भरवाने के लिए लगी एक किलोमीटर लंबी लाइन में घंटो इंतजार करना पड़ रहा।

साइबर सुरक्षा और नए कानूनों पर दी महत्वपूर्ण जानकारी

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में प्रदेशभर में आयोजित हो रहे विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला में गुरुवार को महिला सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस द्वारा गुरुवार को वर्चुअल माध्यम के जरिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्यभर के 820 कॉलेजों के हजारों विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा तथा नए कानूनों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

हनुमंत कथा कल

जयपुर। सर्व आश्रम फाउंडेशन के तत्वावधान में तथा डी.डी. ग्रुप के सहयोग से तीन वर्षों तक चलने वाली अष्टोत्तरशत (108) हनुमंत कथाओं की श्रृंखला के अंतर्गत 54वीं हनुमंत कथा का आयोजन 13 से 15 मार्च तक किया जाएगा। कथा हवा सडक़ नंदपुरी स्थित अग्रसेन त्रिलोकी सेवा धाम में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। कार्यक्रम के संयोजक हरिनाम संकीर्तन परिवार के कृष्ण स्वरूप बूब, व्यासपीठ से अकिंचन महाराज हनुमंत कथा का रस प्रवाह करेंगे।

आरएसी में लगा मेगा सुपर स्पेशियलिटी हेल्थ कैंप

- **400 से अधिक पुलिसकर्मियों व परिजनों का चेकअप**

जयपुर। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशों की कड़ी में गुरुवार को जयपुर के चैनपुरा स्थित चौथी बटालियन आरएसी में एक विशाल सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 13वीं बटालियन आरएसी के कार्मिकों ने भी भाग लिया।

पुलिस मुख्यालय में पूर्व में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा और एडीजी आयोजना एवं कल्याण डॉ. प्रशाखा माथुर ने स्पष्ट किया था कि पुलिसकर्मियों की सेहत से कोई समझौता नहीं होगा। विशेष रूप से 40 वर्ष से अधिक आयु के कार्मिकों के लिए मासिक और वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण को अनिवार्य कर दिया गया है। इस पूरी प्रक्रिया की सघन मॉनिटरिंग और डेटा संकलन की जिम्मेदारी डॉ. सुनील पुनिया (नोडल अधिकारी, पुलिस मुख्यालय) को सौंपी गई है। ताकि हर जवान की सेहत का रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहे।

वहीं पूर्व में जोधपुर, अजमेर और बीकानेर जिला मुख्यालयों में स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प लगाए जा चुके है। महिला दिवस के उपलक्ष में गुरुवार को जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी तथा चौथी बटालियन आरएसी में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया।

पंतजलि में अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशाला का उद्घाटन

जयपुर / हरिद्वार। भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय के उद्देश्य से कार्यरत पतंजलि अनुसंधान संस्थान द्वारा आज एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि प्राप्त करते हुए अत्याधुनिक ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला अनुसंधान प्रयोगशाला का औपचारिक उद्घाटन, संस्थान के मार्गदर्शक, धन्वन्तरि स्वरुप,आयुर्वेद को विश्व

- **अनुसंधान की नवीन सुविधाएं युवा वैज्ञानिकों को नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रेरित करेंगी - आचार्य बालकृष्ण**

पटल पर स्थापित करने वाले प्रतिष्ठित वैज्ञानिक आचार्य बालकृष्ण द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों,शोधकर्ताओं तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस उपलब्धि को और भी विशेष बना दिया।

यह ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला प्रयोगशाला आधुनिक जैव-चिकित्सीय अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है,जोकि औषधीय पौधों और आयुर्वेदिक औषधियों के वैज्ञानिक मूल्यांकन को नई दिशा प्रदान करेगी। मनुष्यों से आनुवंशिक समानता के कारण ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला जैवचिकित्सा अनुसंधान में एक शक्तिशाली मॉडल जीव के रूप में उभरी हैं। ज़ेब्राफ़िश की में पारदर्शी संरचना और तीव्र प्रजनन क्षमता और ड्रोसोफिला मक्खियों के छोटे जीवन चक्र के कारण यह जीव , और अनुसंधान के लिए अत्यंत उपयोगी माने जाते हैं। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला मॉडल आधुनिक जैव-चिकित्सीय अनुसंधान में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी पारदर्शी संरचना वैज्ञानिकों को जीव के अंदर होने वाली जैविक प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर प्रदान करती है।

आचार्य बालकृष्ण ने अत्याधुनिक ज़ेब्राफ़िश और ड्रोसोफिला अनुसंधान प्रयोगशाला का औपचारिक उद्घाटन किया।

दुष्कर्म और छेड़छाड़ के दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर कड़ा प्रहार करते दुष्कर्म के मामले में वांछित एक आरोपित और पिछले एक साल से फरार चल रहे छेड़छाड़ के आरोपी को दबोच लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि थाना स्तर पर वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत गठित बजाज नगर थाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म के आरोपी सतीश कुमार मीणा (31) निवासी राजगढ़ जिला अलवर को गिरफ्तार किया है। सतीश के खिलाफ प्रकरण संख्या 58/2026 धारा 64(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज था। वहीं कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक अन्य आरोपी राकेश कुमार यादव (38) निवासी कोतवाली दौसा को भी गिरफ्तार किया है। राकेश पर महिला के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप है पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक थानाधिकारी पूनम चौधरी के नेतृत्व में गठित इस टीम में एएसआई इंद्राज, कांस्टेबल रामवतार, भरतलाल और हरिओम शामिल रहे।

'कर्मचारियों को कब तक दिया जाएगा लाभ, कब से की जाएगी गणना'

- **अदालत ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद रखते हुए राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि कर्मचारियों को कितने समय में लाभ दिया जाएगा**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट कर्मचारियों की ग्रेड पे के सबंध में साल 2019 में दिए अदालती आदेश की पालना से जुडे मामले में राज्य सरकार से शपथ पत्र पेश करने को कहा है। अदालत ने शपथ पत्र में बताने को कहा है कि कर्मचारियों को कितने समय में लाभ दिया जाएगा और इसकी गणना कब से की जाएगी। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश राजेश कुमार जैन की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि अदालती आदेश की पालना में हाईकोर्ट कर्मचारियों की ग्रेड पे को लेकर आदेश जारी किया जा चुका है। वहीं जल्दी ही हर कर्मचारी के लिए अलग से आदेश जारी किया जाएगा। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद रखते हुए राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि कर्मचारियों को कितने समय में लाभ दिया जाएगा और इसकी गणना कब से की जाएगी।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने 10 जनवरी 2019 को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि यदि हाईकोर्ट कर्मचारी के समकक्ष पद अधीनस्थ कोर्ट में अधिक वेतनमान पर है, तो हाईकोर्ट कर्मचारियों को उसके समान ही वेतन दिया जाना चाहिए।

इस आदेश की पालना नहीं होने पर हाईकोर्ट में अवमानना याचिका पेश हुई। जिसमें कहा गया कि हाईकोर्ट के 10 जनवरी, 2019 के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने 16 दिसंबर, 2025 को कंफर्म कर दिया है, लेकिन इसके बावजूद आदेश की पालना नहीं हो रही है। जिस पर बीते दिनों सुनवाई करते हुए अदालत ने पालना नहीं होने पर प्रमुख विधि सचिव सचिव सहित अन्य अफसरों को पेश होने के आदेश दिए थे।

सार-समाचार

पटवारी व ग्राम प्रतिहारी तीस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर ग्रामीण टीम ने ट्रैप की कार्रवाई करते हुए जयपुर के बस्सी क्षेत्र में पटवारी और ग्राम प्रतिहारी को तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि कार्रवाई में ग्राम पंचायत मानसर खेड़ी के ग्राम प्रतिहारी अशोक कुमार शर्मा तथा पटवार हल्का झर के पटवारी और अतिरिक्त चार्ज मानसर खंडी तहसील बस्सी के विकम बुनकर को गिरफ्तार किया गया है। जहां परिवादी ने एसीबी जयपुर ग्रामीण चौकी में शिकायत दी थी कि उसकी कृषि भूमि का सह खातेदारों के बीच आपसी सहमति से विभाजन कराने के लिए पटवारी को प्रार्थना पत्र दिया गया था। आरोप है कि इस कार्य को करने की एवज में पटवारी द्वारा रिश्वत की मांग कर उसे परेशान किया जा रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने कार्रवाई की योजना बनाई। एसीबी जयपुर ग्रामीण चौकी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील सिहाग के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान आरोपी अशोक कुमार शर्मा और विकम बुनकर को परिवादी से तीस हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुई

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी गुरुवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के दादी का फाटक इलाके में जन समस्या निवारण मंच द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धेय कथावाचक आचार्य आकाश गौतम के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा का अमृतमय श्रवण किया और आत्मिक शांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में धर्म, संस्कृति और सदाचार के मूल्यों को मजबूत करने का माध्यम है। ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ लोगों में आध्यात्मिक जागरूकता भी बढ़ाते हैं। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी श्रद्धालुओं और आयोजकों को इस पावन कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दीं तथा समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

भांकरोटा थाने में कल पुलिस कमिश्नर करेंगे जनसुनवाई

जयपुर। जयपुर पुलिस के पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के उद्देश्य से 14 मार्च (शनिवार) को पुलिस थाना भांकरोटा में जनसुनवाई करेंगे। यह जनसुनवाई दोपहर 11.30 बजे से 1.30 बजे तक आयोजित होगी। इस दौरान बगरू सर्किल के बगरू, सेज, भांकरोटा और बिंदायका थाना क्षेत्रों से जुड़े परिवादियों की समस्याएं सुनी जाएंगी। जनसुनवाई का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर उन्हें राहत पहुंचाना है। जयपुर पुलिस के अनुसार इस पहल से पुलिस और आमजन के बीच संवाद मजबूत होगा तथा लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण में मदद मिलेगी।

खाटू श्याम सेवादार समिति का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव आज से

जयपुर। खाटू श्याम सेवादार समिति, जयपुर के तत्वावधान में दो दिवसीय बाबा श्याम वार्षिकोत्सव एवं भजन रस गंगा का आयोजन 13 और 14 मार्च को किया जाएगा। कार्यक्रम अजमेर रोड स्थित निर्माण नगर के जिंदल गार्डन में आयोजित होगा।समिति के अनुसार वार्षिकोत्सव का शुभारंभ 13 मार्च को शाम 4:15 बजे कलश यात्रा के साथ होगा। कलश यात्रा राम-शिव-हनुमान मंदिर (शिवाजी पार्क, श्याम नगर पुलिस स्टेशन के पीछे) से रवाना होकर उत्सव स्थल तक पहुंचेगी। यात्रा में 301 महिलाएं एक समान परिधान में सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाते हुए शामिल होंगी।कलश यात्रा में हाथी, घोड़ा, ऊंट और बग्गी सहित पारंपरिक लवाजमे के साथ बाबा श्याम को रथ पर विराजमान कर शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे।

गैस किल्लत पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य सरकार को घेरा

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश में रसोई गैस की भारी किल्लत और जनता में व्याप्त डर (पैनिक) को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान संकट प्राकृतिक नहीं, बल्कि सरकार के गलत फैसलों का

- **नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कांग्रेस के 500 वाले सिलेंडर के बदले भाजपा ने महंगाई की सौगात दी**

परिणाम है।बृहस्पतिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जूली ने कहा, "सरकार ने एक तरफ घरेलू गैस के दामों में 60 रुपये की अप्रत्याशित वृद्धि कर दी, वहीं दूसरी ओर कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई रोककर बाजार में कृत्रिम संकट पैदा कर दिया है। इन जनविरोधी नीतियों ने आमजन को मानसिक और आर्थिक रूप से संकट में डाल दिया है।

तुलना करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की प्राथमिकता आमजन को राहत देना थी, जिसके तहत उज्ज्वला लाभार्थियों को 500 रुपये में सिलेंडर दिया गया।

इसके विपरीत, भाजपा सरकार के राज में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें 600 रुपये तक गिरने के बावजूद जनता को इसका लाभ देने के बजाय उन पर महंगाई का बोझ लादा जा रहा है।

गैस आपूर्ति में बाधा से पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव पर चिंता जताते हुए जूली ने कहा कि गैस की कमी के कारण होटल, ढाबे, कैंटीन और पर्यटन से जुड़े छोटे व्यवसाय बंद होने की कगार पर हैं। जब राज्य सरकार आपूर्ति की जिम्मेदारी केंद्र पर डालती है, तो जनता पूछती है कि आखिर उनके डबल इंजन का लाभ कहाँ है? क्या यह इंजन सिर्फ चुनाव जीतने के लिए था?

उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस तरह कोरोना काल में राजस्थान के साथ ऑक्सीजन आपूर्ति को लेकर सौतेला व्यवहार किया गया था, वैसा ही भेदभाव आज गैस आपूर्ति में दोहराया जा रहा है।सरकार गैस सिलेंडर की उपलब्धता और वास्तविक मांग पर तत्काल श्वेत पत्र जारी करे।

कमर्शियल और घरेलू गैस की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि रोजगार और रसोई प्रभावित न हो। इस प्रेस वार्ता को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी संबोधित किया और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व विधायक रफीक खान ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

प्रेमभाया महोत्सव पर चार दिवसीय भक्ति संगीत समारोह हुआ

- **कार्यक्रम में आगरा से राजू बावरा, मध्यप्रदेश के अतुल राव, गोपाल सैन, हिमांशी कंडारा सहित अन्य भजन गायकों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से भक्ति रस की अविरल धारा प्रवाहित की**

जयपुर। ढूंढाड़ क्षेत्र का परम्परागत 86वां श्री प्रेमभाया महोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित चार दिवसीय भक्ति संगीत समारोह के द्वितीय दिन चांदपोल बाजार स्थित जयलाल मुंशी का रास्ता, युगल कुटीर में दिन के समय महिला मंडलों द्वारा भक्ति संगीत का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत गोपीनाथ महिला मंडल की मोहनी सोनी द्वारा गणेश वंदना से हुई। इसके पश्चात राखी चतुर्वेदी ने तरह रहयो दरश दिखावो गोपीनाथ... तथा लक्ष्मी सैनी ने ओ रे नन्द बाबा ने खिज्यो रे, बैठ कदम की डार कान्हों चीर चुरावे रे... जैसे भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सायंकाल होते ही जयलाल मुंशी का रास्ता दीपावली की भांति रोशनी से जगमगा उठा। रात्रि 8 बजे भक्ति संगीत का मुख्य कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इसमें दीपक शर्मा ने रिद्धि सिद्धि रा भरतार नित की लाडू खावै छै, गढ़ गणेश छै नाम बैठ्या मौज उडावै छै... भजन की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

इसके पश्चात राघव खण्डेलवाल ने आओ जी नट नगरिया बेगा सा आओ जी, म्हारी लाज बचाओ जी... तथा हरि मोहन गोयल ने नंद बाबा रा लाडला होली का रसिया सांवरा, थांरो गोपी रूप बनास्यां आवरे-आवरे... जैसे भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में आगरा से राजू बावरा, मध्यप्रदेश के अतुल राव, गोपाल सैन, हिमांशी कंडारा सहित अन्य ख्यातिनाम भजन गायकों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से भक्ति रस की अविरल धारा प्रवाहित की। इस अवसर पर श्री प्रेमभाया सरकार का आकर्षक एवं दिव्य श्रृंगार भी किया गया, आगंतुक भक्तों पर भव्य पुष्प वर्षा की गई। समिति के संरक्षक विजय किशोर शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को दिन में महिला मंडलों द्वारा भजन-गायन तथा रात्रि 8 बजे से संपूर्ण रात्रि भक्ति संगीत का आयोजन किया जाएगा।

प्रदेश में आरटीई के तहत निजी स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए लॉटरी निकाली

स्टूडेंट्स के प्रवेश की प्राथमिकता का क्रम तय किया गया

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए गुरुवार को जयपुर के शिक्षा संकुल में लॉटरी निकाली गई। स्टूडेंट्स के प्रवेश की प्राथमिकता का क्रम तय किया गया। पहले यह लॉटरी सुबह 11:30 बजे घोषित होनी थी, लेकिन बाद में इसका समय बदलकर शाम 4 बजे कर दिया गया था। हालांकि दोपहर एक बजे ही लॉटरी निकाली गई और अभिभावकों को सूचना मिलनी शुरू हो गई। अब ई-मित्र के माध्यम से ही अभिभावक लॉटरी में अपना नंबर देख सकते हैं। इस साल राज्यभर से करीब 6.34 लाख आवेदन आए हैं। वहीं निजी स्कूल संचालकों का कहना है कि नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी की फीस का भुगतान सरकार की ओर से नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फ्री शिक्षा योजना सरकार की है, इसलिए भुगतान भी सरकार को ही करना चाहिए।

- **अब ई-मित्र के माध्यम से ही अभिभावक लॉटरी में अपना नंबर देख सकते हैं, इस साल राज्यभर से करीब 6.34 लाख आवेदन आए थे**

निजी स्कूलों में आरटीई के तहत निशुल्क प्रवेश के लिए गुरुवार दोपहर जयपुर के शिक्षा संकुल में लॉटरी निकाली गई। इस बार पीपी-3 प्लस, पीपी-4 प्लस, पीपी-5 प्लस और पहली कक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए थे। आवेदन के दौरान अभिभावकों को 5 स्कूलों तक का चयन करने का विकल्प दिया गया था। इसके तहत नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी और फर्स्ट क्लास में एडमिशन होंगे। यू-डाइस आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में करीब 33 हजार 548 प्राइवेट स्कूल हैं। इस तरह राज्य में कुल स्कूलों की संख्या एक लाख से ज्यादा है।

शिक्षा विभाग ने आरटीई के तहत प्रवेश के लिए 20 फरवरी से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी। आवेदन की अंतिम तिथि 10 मार्च तय की गई थी। प्रदेशभर से 6 लाख 25 हजार 146 बालक-बालिकाओं ने 33 हजार 137 निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए कुल 19 लाख 92 हजार 357 आवेदन किए। इनमें 3 लाख 29 हजार 165 छात्र, 2 लाख 95 हजार 970 छात्राएं तथा 11 थर्ड जेंडर आवेदक शामिल हैं। अब लॉटरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित स्टूडेंट्स के एडमिशन की आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

उधर, प्राइवेट स्कूल संचालकों ने सरकार पर फीस का भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया है। बीकानेर प्राइवेट स्कूल क्लब के अध्यक्ष मनोज व्यास ने कहा कि नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी की फीस का भुगतान सरकार की ओर से नहीं किया जा रहा है।

इस बार निशुल्क एडमिशन के लिए फर्जी डाक्यूमेंट्स लगाने वालों पर स्कूल प्रबंधन की ओर से एफआईआर करवाई जा सकती है। इसी कारण सरकार ने आवेदन के दौरान पैन कार्ड धारकों से पैन नंबर भी मांगा है। अगर आय प्रमाण पत्र गलत पाया गया तो स्कूल प्रबंधन इर्ष्ट दर्ज करवा सकता है। बीकानेर जिले में भी आरटीई के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए बड़ी संख्या में आवेदन हुए हैं। जिले के प्राइवेट स्कूलों में आरटीई सीटों पर एडमिशन के लिए अभिभावकों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। लॉटरी के बाद चयनित स्टूडेंट्स को तय प्राइवेट स्कूलों में निशुल्क एडमिशन दिया जाएगा।

माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने बताया कि एक आवेदनकर्ता अधिकतम पांच स्कूलों में आवेदन कर सकता है। लॉटरी जारी होने के बाद अभिभावक अपने स्कूल चयन क्रम में 16 मार्च 2026 तक परिवर्तन कर सकेंगे। इसके बाद 17 मार्च को उपलब्ध सीटों के आधार पर स्टूडेंट्स को विद्यालय आवंटित किए जाएंगे। स्कूलों द्वारा आवेदकों के दस्तावेज का सत्यापन 25 मार्च 2026 तक किया जाएगा। यदि किसी आवेदनकर्ता को प्रवेश संबंधी कोई परिवेदना हो, तो वह अपने लॉगइन के माध्यम से 2 अप्रैल 2026 तक आरटीई पोर्टल पर दर्ज करा सकता है। इन परिवेदनाओं का निस्तारण संबंधित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी तथा संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा संभाग स्तर पर किया जाएगा।

यदि प्रथम चरण के बाद भी सीटें रिक्त रहती हैं, तो 7 अप्रैल 2026 को द्वितीय चरण में विद्यालय आवंटन किया जाएगा। इसके बाद भी रिक्तियां रहने पर 22 अप्रैल 2026 को तृतीय चरण में विद्यालय आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। लॉटरी के बाद अभिभावकों को यह जानकारी दी गई है कि उन्होंने जिन पांच स्कूलों का चयन किया था, उनमें उनके बच्चे की प्राथमिकता क्या है। अभिभावकों को अब उन स्कूलों में से ऐसे स्कूल का चयन करना होगा, जहां प्रवेश की संभावना अधिक हो। वहां जाकर मूल दस्तावेज जमा कराने होंगे। इसके बाद स्कूल प्रबंधन दस्तावेज का सत्यापन करेगा। यदि बच्चा उसी नगर निगम वार्ड का है जहां स्कूल स्थित है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। दूसरे वार्ड के मामले में आपत्ति दर्ज हो सकती है, जिसे संबंधित कार्यालय में आवेदन देकर दूर किया जा सकेगा। सभी स्टूडेंट्स की पढ़ाई एक अप्रैल से शुरू होगी।

उदयपुर में बीस हजार रूपये की रिश्वत लेते कांस्टेबल गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की स्पेशल टीम ने पीड़ित से बीस हजार रूपये रिश्वत लेने वाले सीओ पूर्व कार्यालय के कांस्टेबल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया, जबकि साथी पुलिस कर्मियों की तलाश की जा रही है।

- **सीओ पूर्व कार्यालय के साथी पुलिस कर्मियों की तलाश जारी**

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो स्पेशल यूनिट उदयपुर पर परिवादी ने शिकायत की कि मेरा एकलिंगपुरा अण्डरपास के पास प्रतापनगर रोड़ की तरफ कार सर्विस का गैराज है, चार-पांच दिन पूर्व तीन-चार पुलिस वाले सादी वर्दी में सरकारी गाड़ी लेकर मेरे गैराज पर आये, जिनमें नागेन्द्रसिंह, शक्तिसिंह,अर्जुनसिंह व अनिल मीणा थे। उन्होंने डिप्टी साहब की स्पेशल टीम में होना बताया। जिन्होंने गाड़ियों के बोनट खोल कर चैक किये और मुझे धमकाया कि चोरी की गाड़ियां काटते हो, तुम्हारे खिलाफ शिकायत है। जिस पर मैने सारी गाड़ियों के कागज उन्हें दिखाये तो कहने लगे कि तुम्हारे गैराज में नाबालिग काम करते हैं, तेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज करेंगे, तुम जीएसटी भी नहीं भरते हो, तुम्हारा गैराज सीज करवा देंगे। उसके बाद से सभी आए दिन गैराज पर आकर चैकिंग कर मुझे डरा धमकाकर परेशान कर रहे हैं और मेरे खिलाफ कार्रवाई नहीं करने की एवज में 50 हजार रूपये मांग रहे हैं। इस पर मैने हाथ जोड़ी कर 25 हजार रूपये लेने की सहमति बनी। जिस पर उपमहानिरीक्षक एसीबी उदयपुर के डॉ. रामश्वरसिह के सुपरविजन में एसीबी स्पेशल यूनिट प्रभारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव जोशी के नेतृत्व में सीआई लक्ष्मण डांगी मय टीम ने रिश्वत राशि मांग का सत्यापन किया। जिसमें कांस्टेबल नागेन्द्रसिंह, एएसआई शक्तिसिंह शक्तिसिंह, कांस्टेबल अनिल मीणा द्वारा परिवादी महेन्द्र डांगी को उसके विरूद्ध कार्रवाई नहीं करने एवं गैराज को सुचारू रूप से चलाने देने की एवज में 25 हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परिवादी द्वारा रूपये कम करने की मांग करने पर 20 हजार रूपये लेने की सहमति एंव देने की पुष्टि हुई। जिस पर 11मार्च को ब्यूरो की टीम द्वारा अग्रिम ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी नागेन्द्रसिंह वृत्त स्पेशल टीम वृत्त नगर पूर्व उदयपुर द्वारा परिवादी से 20 हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ में बताया कि स्पेशल टीम के सदस्य शक्तिसिंह, अर्जुनसिंह, अनिल मीणा हमेशा ही सरकारी वाहन से सर्कल में जाते हैं, आज मैं अकेले ही मोटरसाइकिल पर आया हूं। वृत्त नगर पूर्व की स्पेशल टीम के अन्य आरोपी सदस्य एएसआई शक्तिसिंह, हैड कांस्टेबल अर्जुनसिंह व अनिल कांस्टेबल की तलाश जारी है। इस मामले में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भ्रटाचार निरोधक ब्यूरो राजस्थान जयपुर के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई की जा रही है।

शराब से भरा टेम्पो पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे-48 पर एक टेम्पो से अवैध शराब जब्त की है। गत्तों की आड में 35 कार्टन शराब गुजरात ले जाई जा रही थी। पुलिस ने टेम्पो ड्राइवर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 2 लाख 50 हजार रुपए बताई जा रही है।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि डीएसटी को बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली थी, जिसके बाद निगरानी शुरू की गई। इस दौरान डीएसटी ने एनएच-48 पर बिछीवाड़ा में एक 3 पहिया टेम्पो को रोका। टेम्पो में गत्ते, स्क्रेप और कबाड़ भरा हुआ था। हालांकि, पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस ने तलाशी ली तो कबाड़ के नीचे अवैध शराब के कार्टन छिपाकर रखे गए थे। टेम्पो ड्राइवर शराब के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और न ही उसके पास शराब परिवहन के कोई वैध दस्तावेज थे। पुलिस ने टेम्पो से 35 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। टीम ने मौके से नानू पुत्र पोखर गुर्जर निवासी मालक मालिया, थाना देवगढ़, जिला राजसमंद और मुकेश पुत्र कैलाशनाथ जोगी निवासी कोठी, थाना पारोली, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों और जब्त वाहन को लेकर कानूनी कार्रवाई के लिए बिछीवाड़ा थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

कोटा : यूडी टैक्स जमा नहीं करवाने पर कार्रवाई

दो मैरिज गार्डन, तीन शोरूम सीज़ किए

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास कर जमा नहीं करवा रहे लोगों के खिलाफ नगर निगम ने गुरूवार को एक बार फिर कार्रवाई की। निगम की टीम ने गुरूवार को शहर में दो मैरिज गार्डन व तीन शोरूम सीज कर दिए। यह कार्रवाई होते ही हड़कंप की स्थिति बन गई और शाम तक एक दुकान मालिक ने बकाया करीब 4 लाख रूपए का यूडी टेक्स जमा करवा दिया। आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि नगरीय विकास कर के बकाए की वसूली के लिए कार्य योजना तैयार की गई हैं। उपायुक्त राजस्व धीरज कुमार सोनी के नेतृत्व में एक टीम लगातार उन सभी बकायादरों से सम्पर्क कर रही है जो लंबे समय से नगरीय विकास कर जमा नहीं करवा रहे हैं। पूर्व में भी निगम ने आकाश मॉल सहित कई दुकानों को सीज किया था।

अब निगम ने गुरुवार को सबसे पहले रायपुरा स्थित मरियम मैरिज गार्डन और गुलमोहर मैरिज गार्डन तथा मोटर मार्केट स्थित दो व शॉपिंग सेंटर स्थित एक दुकान को सीज कर दिया। इन सभी पर 33 लाख रूपए से अधिक का नगरीय विकास कर बकाया चल रहा था। ऐसे में शॉपिंग सेंटर स्थित साड़ी के शोरूम संचालकों ने कुछ ही देर बाद बकाया 4 लाख रुपए नगरीय विकास कर जमा करवा दिया जिस पर सीज को खोल दिया गया। बाकी दुकानदार भी शाम होते-होते अपना बकाया यूडी टैक्स की जानकारी लेने निगम कार्यालय पहुंच गए।

आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि नगरीय विकास कर वर्ष 2007 से संपूर्ण राजस्थान में लागू है। ऐसे में वे सभी आवासीय भवन और प्लॉट जो 2700 वर्ग फीट क्षेत्र से अधिक के हैं तथा व्यावसायिक प्लॉट और भवन जो 900 स्क्वायर फीट से अधिक क्षेत्र के हैं, सभी वर्ष 2007 से ही नगरीय विकास कर के दायरे में आते हैं। इन सभी भूखंड और भवन मालिकों से आग्रह है कि वे निगम कार्यालय में संपर्क कर अपना बकाया यूडी टैक्स जल्द से जल्द जमा करवा दें। आने वाले दिनों में निगम बकायेदारों के खिलाफ सीजिंग की कार्रवाई को और गति देगा।

आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि 2700 वर्गफीट से अधिक के आवासीय भवन और प्लॉट तथा 900 वर्गफीट से अधिक वाणिज्यिक भवन और प्लॉट नगरीय विकास कर के दायरे में आते हैं। नगरीय विकास कर भूखण्ड स्वामी के स्वनिर्धारण पर आधारित है, इस कारण कोई भी व्यक्ति नोटिस नहीं मिलने की बात कहकर कर जमा करवाने एसे बच नहीं सकता।

अलवर के जंगल में लगी भीषण आग आईटीबीपी ट्रेनिंग कैंप तक पहुंची

तेज हवा से एक किमी तक फैली आग को ग्रामीण और जवान बुझाने में जुटे

अलवर, (निसं)। अलवर के जंगल में गुरुवार दोपहर अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग करीब एक किलोमीटर के दायरे में फैल गई।

घटना बेरेबास स्थित आईटीबीपी ट्रेनिंग कैंप के पास की है। तेज हवा से आग की लपटें कैंप के अंदर के हिस्से तक भी पहुंच गई, जिससे कैंप के अंदर के जंगल में भी आग लग गई। इससे कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही आईटीबीपी के जवान मौके पर पहुंचे। आसपास के ग्रामीणों के साथ मिलकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब 45 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काफी हद तक काबू पा लिया, हालांकि कुछ स्थानों पर आग अभी भी सुलग रही है। आग को बुझाने में करीब 50 जवान और 100 ग्रामीण जुटे हैं। इस दौरान बेरेबास गांव और कंवर सिंह का बास के ग्रामीण भी मौजूद हैं।

बेरेबास गांव के ग्रामीण कासम ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे जंगल में आग लगी थी। शुरुआत में आग छोटी लग रही थी, लेकिन तेज हवाओं के कारण वह तेजी से फैल गई। देखते ही देखते करीब एक किलोमीटर क्षेत्र में फैल गई। आग कैंप के अंदर के हिस्से तक भी पहुंच गई, जिसके बाद आईटीबीपी के जवान भी बाहर आए और ग्रामीणों के साथ मिलकर आग बुझाने में जुट गए।

कॉस्टेबल की हत्या के दोषी दस जनों को उम्रकैद

कोटा, (निसं)। पिस्टल से फायरिंग कर गोली मारकर कॉन्स्टेबल की गई हत्या के करीब सात साल पुराने मामले में एससी/एसटी न्यायालय ने सुनवाई करते हुए पकड़े गये दस आरोपियों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। रंजिश के चलते की गई हत्या के मामले में एससी/एसटी न्यायालय के न्यायाधीश ने सुनवाई करते हुए गोली मारकर अभिमन्यू हत्याकांड के आरोप में पकड़े गये आरोपियों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा से दंडित किया।

विशिष्ट लोक अभियोजक रितेश मेवाड़ा ने बताया कि 4 फरवरी 2019 को फरियादी पंकज बागरी ने कैथून थाने में रिपोर्ट दी थी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि 3 फरवरी को अपने घर गलाना में सो रहे थे, तब मेघराज नागर अपने बेटों कुशराज, रामराज, तीरथराज अन्य साथियों के साथ घर पर आया और घर पर हमला कर दिया और हमले के दौरान तीरथराज ने उसके चाचा अभिमन्यु पर फायरिंग कर दी और पिता मथुरालाल के साथ मारपीट व हमला कर फरार हो गये। रिपोर्ट में कहा कि हमले में घायल उसके पिता मथुरालाल व चाचा अभिमन्यू को अस्पताल लेकर आये, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद अभिमन्यू को मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट में कहा कि मेघराज व उसके चाचा अभिमन्यू की 2 फरवरी 2019 को किसी बात को लेकर विवाद हो गया था, जिसकी रंजिश के चलते मेघराज ने अपने बेटों व अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया है, जिसमें अभिमन्यू की मौत हो गई। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मेघराज व उसके बेटों व अन्य के खिलाफ हत्या की धारा सहित अन्य धाराओं व एससी/एसटी एक्ट में मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए गलाना निवासी मेघराज, उसके बेटे कुशराज, रामराज, तीरथराज सहित दिनेश, भगवान, नवीन कुमार, ओमप्रकाश, हेमराज एवं शैलेन्द्र को गिरफ्तार किया। पुलिस ने अनुसंधान करते हुए आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। विशिष्ट लोक अभियोजक ने बताया कि मृतक पुलिसकर्मी का भाई था। ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा ने बताया कि गोलीकांड में मृतक अभिमन्यु कॉन्स्टेबल के पद पर था। मामले में 40 गवाहों के बयान दर्ज कराये गये।

सिलेंडरों की किलल्त को लेकर चूरू में प्रदर्शन

चूरू, (निसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार चूरू जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से चूरू जिलाध्यक्ष व सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल के नेतृत्व में गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि, आपूर्ति में बाधित सप्लाई और कालाबाजारी के विरोध में केन्द्र सरकार के खिलाफ जिला कलैक्ट्रेट के आगे धरना-प्रदर्शन किया।

ईंधन की उपलब्धता को लेकर चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मीडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के दूसरे सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात में व्यवधान के बीच सरकार ईंधन की उपलब्धता को लेकर जनता को गुमराह कर रही है। मेघवाल ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण लगातार महंगाई बढ़ रही है, घरेलू गैस सिलेंडर पर 60 रूपये और व्यावसायिक सिलेंडर पर 110 रूपये की बढ़ोतरी ने आमजन की रसोई में खटास पैदा कर दिया है।

33 केवी लाइन की चपेट में आया टेंटकर्मी

शादी की तैयारियों में हुआ हादसा

रामगंजमंडी, (निसं)। क्षेत्र के मायला गांव स्थित सामुदायिक भवन में शादी समारोह की तैयारियों के दौरान बड़ा हादसा हो गया। टेंट लगाने का काम कर रहा एक युवक अचानक 33 केवी बिजली लाइन की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान विकास कुमार (20) पुत्र बिट्ठल, निवासी दुर्जनपुरा गांव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गांव के सामुदायिक भवन में शादी समारोह के लिए टेंट लगाने का काम चल रहा था। इसी दौरान टेंट की लोहे की पाइप ऊपर उठाते समय वह पास से गुजर रही 33 लकेवी बिजली लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे तेज करंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

वहीं समारोह के दौरान हुये हादसे के तुरंत बाद वहां मौजूद लोगों ने तुरंत युवक को संभाला और स्थानीय लोगों की मदद से उसे रामगंजमंडी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए झालावाड़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। शादी की तैयारियों के बीच हुए इस हादसे से गांव में चिंता और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि सार्वजनिक स्थानों और कार्यक्रम स्थलों के पास से गुजर रही हाई वोल्टेज बिजली लाइनों के प्रति सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

घर में युवक का शव मिला

रामगंजमंडी, (निसं)। आदर्श नगर रामगंजमंडी में गुरुवार सुबह एक युवक का शव उसके ही घर में मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर एकत्रित हो गए। मृतक की पहचान सुरेश सेन पुत्र गोरधन लाल सेन निवासी आदर्श नगर रामगंजमंडी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सुबह युवक घर के अंदर अचेत अवस्था में मिला। परिजन तुरंत उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेकर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

रेल दुर्घटना में मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये देने का आदेश

जालोर, (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जालोर के पीठासीन अधिकारी धनश्याम यादव ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए रेल दुर्घटना में मृत व्यक्ति के परिजनों को बीमा क्लेम की राशि दिलाने का आदेश दिया है। आयोग ने संबंधित अधिकारियों को 45 दिन के भीतर 10 लाख रुपये की बीमा राशि भुगतान करने के साथ तीस हजार रूपये का जुर्माना लगाया।

- **जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने यह भी निर्देश दिया कि 45 दिन के भीतर भुगतान नहीं होने पर 11 जुलाई 2023 से वसूली तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा**

परिवादी फरीदा बानो पत्नी स्व. हकीम खां निवासी खेडा बोरटा ने उपभोक्ता आयोग में परिवाद पेश कर बताया कि उनके पति हकीम खां ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 24 अप्रैल 2022 को ई-मित्र के माध्यम से बीमा निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग जालोर से करवाया था और इसके लिए 850 रुपये प्रीमियम जमा कराया गया था। योजना के अनुसार 1 मई 2022 से 30 अप्रैल 2023 तक बीमा अवधि मान्य थी। 24 अक्टूबर 2022 को उनके पति खेत पर जाते समय रेलवे पटरी पार करते वक्त ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। इसके बाद परिजनों ने दुर्घटना बीमा क्लेम के लिए आवेदन किया, लेकिन यह कहते हुए दावा अस्वीकार कर दिया गया कि बीमा प्रीमियम संबंधित खाते में जमा नहीं हुआ था। मामले की सुनवाई के बाद आयोग ने पाया कि संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण परिवादियों को बीमा लाभ नहीं मिल पाया। इस पर आयोग ने राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग और जिला कलैक्टर जालोर को आदेश दिया कि वे संयुक्त रूप से परिवादियों को 10 लाख रुपये बीमा क्लेम राशि अदा करें। आयोग ने यह भी निर्देश दिया कि 45 दिन के भीतर भुगतान नहीं होने पर 11 जुलाई 2023 से वसूली तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा। इसके अलावा आयोग ने मानसिक कष्ट व आर्थिक हानि के लिए 20 हजार रुपये तथा परिवाद व्यय के रूप में 10 हजार रुपये सहित कुल तीस हजार रूपये देने का भी आदेश दिया है।

पावटा में अस्थाई डंपिंग यार्ड में आग लगी, बड़ा हादसा टला

पावटा, (निसं)। पावटा कस्बे में गोपाल भैया मंदिर के पास पावटा प्रागपुरा नगरपालिका द्वारा बनाये हुये अस्थाई डंपिंग यार्ड में गुरुवार को अज्ञात कारणों से अचानक आग लगने से आसपास हड़कंप मच गया। डंपिंग यार्ड में बड़ी संख्या में गौवंश के रहने के कारण स्थिति गंभीर हो सकती थी, लेकिन समय रहते गौ रक्षकों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

- **डंपिंग यार्ड में बड़ी संख्या में गौवंश के रहने के कारण स्थिति गंभीर हो सकती थी**
- **गौ रक्षकों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया, फायर बिग्रेड ने आग पर काबू पाया**

पावटा पालिका द्वारा बनाये हुये अस्थाई डंपिंग यार्ड में लगी आग को फायर बिग्रेड की मदद से बुझाया।

जानकारी के अनुसार डंपिंग यार्ड में अक्सर बड़ी संख्या में गौवंश कचरे के बीच अपना पेट भरने के लिए पहुंचता है। आग लगने की सूचना मिलते ही गौ रक्षक और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और गौवंश को सुरक्षित स्थान पर हटाया। उनकी तत्परता के चलते कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। वहीं मौके पर पहुंची पालिका फायर बिग्रेड द्वारा आग पर काबू पा लिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि डंपिंग यार्ड में रोजाना बड़ी संख्या में गौवंश कचरे के बीच प्लास्टिक की पॉलीथिन और अन्य हानिकारक सामग्री खाकर अपना पेट भरने को मजबूर हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से डंपिंग यार्ड की उचित व्यवस्था करने और गौवंश के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कचरे के उचित निस्तारण और गौवंश की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

जोधपुर में मातृभाषा उत्सव 16 मार्च को

जोधपुर, (कासं)। महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र, मेहरानगढ़, राजस्थानी विभाग और बाबा रामदेव शोधपीठ, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मातृ भाषा उत्सव 16 मार्च को समारोह पूर्वक मनाया जायेगा।

महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र के सहायक निदेशक डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर एवं राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया कि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (डॉ.) पवन कुमार शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं हेमलता राज्ये की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में ख्यातनाम कवि आलोचक एवं साहित्य अकादमी में राजस्थानी परामर्श मण्डल के संयोजक प्रोफेसर (डॉ.) अर्जुनदेव चारण मुख्य वक्ता होंगे। प्रतिवर्ष दिया जाने वाला "हाजी जफ़र खाँ सिंधी राजस्थानी पुरस्कार" इस वर्ष आकाशवाणी केन्द्र, जोधपुर के प्रतिष्ठित राजस्थानी उद्घोषक गौतम राज नवल 'काकू' को प्रदान किया जायेगा।

दस लाख का मादक पदार्थ सहित दो तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कनवास पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार में तलाशी में अवैध मादक पदार्थ 54 किलो 500 ग्राम डोडा-चूरा व 419 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम जब्त की है। पुलिस टीम ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में करीब 10 लाख रूपये कीमत बताई गई है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन रूट क्लीरियेंस अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्यवाही के लिये ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक वृत सांगोद नरेन्द्र जैन के सुपरविजन मे कार्य योजना बनाकर कनवास थानाधिकारी अनूप सिंह ने मय जाब्ता कोटा-झालावाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। वाहन चैकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो कार में से अवैध मादक पदार्थ 54 किलो 500 ग्राम डोडा-चूरा व 419 ग्राम अफीम बरामद की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि कार्यवाही के दौरान पकड़े गये अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 10 लाख रूपये बताई गई है। पुलिस टीम ने मौके पर माल व कार को जब्त किया एवं एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए जिला कोटपुतली-बहरोड़ ग्राम गवाना निवासी कुलदीप सोनी (24) एवं जिला महेन्द्रगढ़ हरियाणा मातावाला मोहल्ला गोद निवासी संजय (28) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान किया जा रहा है।

राजधानी एक्सप्रेस में छूटा बैग बरामद

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में यात्रियों के छूटे सामान को सुरक्षित वापस दिलाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन अमानत' के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेन में छूटे यात्री के पिट्ठू बैग को बरामद कर उसे सुरक्षित लौटाया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई कि गाड़ी संख्या 12954 एक्सप्रेस के कोच बी-10 की सीट संख्या 28 पर यात्रा कर रहे यात्री शकील अहमद का पिट्ठू बैग ट्रेन में छूट गया है। बैग में एक लैपटॉप, चार्जर, पॉवर बैंक, एयर बड्र्स, एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड तथा दो चश्मे सहित लगभग 45 हजार रुपये मूल्य का सामान होना बताया गया। सूचना मिलते ही ट्रेन के कोटा आगमन पर रेलवे सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक हरिओम एवं स्टाफ द्वारा संबंधित कोच की जांच कर बैग को बरामद कर सुरक्षित रूप से कोटा पोस्ट पर जमा कराया गया। उन्होंने बताया कि यात्री को इसकी सूचना दी गई। यात्री के कोटा पोस्ट पर उपस्थित होने पर रेलवे सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक रामलाल बंशकार द्वारा आवश्यक सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण कर बैग को सही-सलामत यात्री को सुपुर्द कर दिया गया।

मैं हमेशा से ही चुनौतीपूर्ण काम करना चाहता था। मैंने क्रिकेट इसी उद्देश्य से खेला है। मैंने क्रिकेट की शुरुआत इसी उद्देश्य से की थी। जब मैं टीम के लिए कुछ कर पाता हूं, तो मुझे बहुत खुशी मिलती है। **- जसप्रीत बुमराह**

भारतीय गेंदबाज, अपनी गेंदबाजी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बासित अली

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने बुरी तरह पाकिस्तान टीम और पीसीबी को लताड़ा है। बासित अली ने पाकिस्तान क्रिकेट मैनेजमेंट पर सवाल उठाए हैं और उनकी प्लानिंग को भी घेरे में लिया है। उन्होंने सबसे पहले पाकिस्तान की पहले 10 ओवर में धीमे खेलने और सधी शुरुआत करने की स्ट्रेटजी पर सवाल उठाए। वहीं उन्होंने एकसाथ कई सारे युवा खिलाड़ियों को उतारने को लेकर भी सवाल उठाए। बासित अली ने पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट को लताड़ते हुए कहा कि, सबसे पहले गोली मार दो उस आदमी को जिन्होंने बोला पॉवरप्ले के 10 ओवर में कम से कम 60 रन बनाने का कहा।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 17 टी-20 मैचों में से 14 में जीत दर्ज की है, जो एक बहुत बड़ा रिकॉर्ड है।

गिल को क्रिकेटर ऑफ द ईयर, द्रविड़ को मिलेगा बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

नई दिल्ली, 12 मार्च। पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ को बीसीसीआई द्वारा 15 मार्च को दिल्ली में आयोजित सालाना नमन अवॉर्ड्स में कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा जबकि भारत के टेस्ट व वनडे कप्तान शुभमन गिल को क्रिकेटर ऑफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

भारत की पूर्व महिला कप्तान मिताली राज को भी लाइफटाइम अवॉर्ड देने पर विचार किया जा रहा है। जबकि मुंबई के आयुष म्हात्रे को उनके प्रदर्शन के लिए घरेलू लिमिटेड ओवर क्रिकेट में बेस्ट ऑलराउंडर के लिए अमरनाथ अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण के साथ भारत की मशहूर बिग फोर बैटिंग लाइन-अप का हिस्सा थे। द्रविड़ ने इस सभी स्टार

बल्लेबाजों की टीम में मौजूदगी के बावजूद अपना खास स्थान बनाया था और उन्हें अपनी पीढ़ी के बेस्ट टेस्ट बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। राहुल द्रविड़ ने वनडे प्रारूप में भी 10 हजार से ज्यादा रन बनाए थे और टेस्ट क्रिकेट में वो काफी असरदार रहे थे और उन्होंने घर में साथ ही विदेशी धरती पर भी खूब बन बनाए थे। साल 2012 में क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद उन्होंने शुरू में कमेंट्री किया और फिर कोचिंग में आ गए। बाद में उन्होंने इंडिया अंडर 19 टीम की कमान संभाी और शुभमन गिल और पृथ्वी शॉ जैसे खिलाड़ियों वाली टीम को साल 2018 में अंडर 19 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाया।

इस दौरान उन्होंने इंडिया ए टीम के साथ मिलकर भी काम किया। राहुल द्रविड़ को इसके बाद साल 2021 में रवि शास्त्री की जगह भारतीय सीनियर टीम का हेड कोच बनाया गया और उनके कार्यक्रम में भारत ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन टीम चैंपियन बनने से चूक गई। वहीं साल 2024 में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज में टी20 वर्ल्ड कप टाइटल अपने नाम किया। इस बीच मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट एसोसिएशन के रूप में सम्मानित किया जाएगा।

हार्दिक पंड्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई, तिरंगे का अपमान करने का लगा आरोप

नई दिल्ली, 12 मार्च। भारतीय स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल, वह कानूनी मुश्किल में फंसते हुए दिख रहे हैं। क्रिकेटर हार्दिक पंड्या के खिलाफ तिरंगे के अपमान को लेकर बेंगलुरु में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुणे के वकील वाजिद खान बिडकर ने यह शिकायत की है। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत के बाद अहमदाबाद में जश्न के दौरान पंड्या पर तिरंगे का सम्मान न करने का आरोप लगाया गया है।

वायरल वीडियो के आधार पर शिकायत- शिकायतकर्ता के अनुसार, टीम इंडिया की जीत के बाद मैदान पर जश्न मनाते हुए कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। एक वीडियो में पंड्या अपने कंधे पर तिरंगा ओढ़कर मैदान पर नाचते और दौड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

आरोप है कि जश्न के दौरान पंड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मंच पर लेटे दिखे। उस समय भी उनके कंधे पर तिरंगा था। शिकायतकर्ता का कहना है कि यह राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के खिलाफ है। वकील वाजिद खान ने कहा कि द प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टु नेशनल ऑनर एक्ट, 1971 के अनुसार तिरंगे की गरिमा बनाए रखना अनिवार्य है। उनका आरोप है कि जश्न के दौरान हार्दिक पंड्या इस बात का ध्यान नहीं रख पाए, जिसे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान माना जा सकता है। इस मामले में उन्होंने इसी कानून की धारा 2 के तहत शिकायत दर्ज कराई है।

यह कानून राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान को रोकने के लिए बनाया गया है। इसके तहत तिरंगे को जमीन पर गिरने देना, उसे अनुचित तरीके से पहनना या किसी भी तरह उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाना दंडनीय माना जाता है। खान ने बताया कि उन्होंने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी है। शुरुआत में पुलिस ने कहा कि घटना अहमदाबाद में हुई है, इसलिए मामला वहीं दर्ज होना चाहिए। हालांकि, खान ने तर्क दिया कि तिरंगा पूरे देश का राष्ट्रीय प्रतीक है, इसलिए इसकी शिकायत कहीं भी दर्ज कराई जा सकती है। बाद में पुलिस ने उनकी शिकायत स्वीकार कर ली और उसकी कॉपी भी उन्हें दे दी।

ट्वंटी-20 वर्ल्ड कप 2026
आईसीसी ने 103.8 करोड़ की प्राइज मनी का किया बंटवारा

नई दिल्ली, 12 मार्च। आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी प्राइज मनी में इजाफा किया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा इस टूर्नामेंट की प्राइज मनी के विभाजन की विस्तृत जानकारी शेयर की गई है। इस जानकारी के मुताबिक तकरीबन 103.8 करोड़ रुपये यानी 11.25 मिलियन यूएस डॉलर की इनामी राशि का बंटवारा किया गया है। विजेता भारतीय टीम को सबसे ज्यादा तकरीबन 2.6 मिलियन यूएस डॉलर यानी 24.3 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं भारत के अलावा रनर अप न्यूजीलैंड, सेमीफाइनल में हारने वाली साउथ अफ्रीका की टीम को भी 11 मिलियन यूएस डॉलर से ज्यादा की राशि मिली है। दरअसल, ये राशि प्रत्येक टीम के राउंड वाइज जगह बनाने और प्रत्येक मैच जीतने के हिसाब से बांटी गई है। वहीं प्रत्येक मैच जीतने के लिए एक टीम को 26 लाख रुपये मिले हैं। वहीं जो टीम एक भी मैच नहीं जीता पाई और उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया, जैसे कनाडा, नामीबिया और ओमान, उन्हें भी 2.25 लाख यूएस डॉलर यानी तकरीबन 2 करोड़ से ज्यादा रुपये मिले हैं। इसका मतलब है कि कोई भी टीम टी20 वर्ल्ड कप से खाली हाथ नहीं लौटी है।

ये है सभी टीमों को मिली धनराशि

भारत	24,35,91,556.84 करोड़
न्यूजीलैंड	13,12,99,817.87 करोड़
साउथ अफ्रीका	9,28,04,399.66 करोड़
इंग्लैंड	8,99,29,206.34 करोड़
वेस्टइंडीज	4,96,76,684,53 करोड़
पाकिस्तान	4,82,39,087.87 करोड़
जिम्बाब्वे	4,53,63,894.56 करोड़
श्रीलंका	4,39,26,390.19 करोड़
यूएसए	2,85,92,087.38 करोड़
ऑस्ट्रेलिया	2,85,92,087.38 करोड़
अफगानिस्तान	2,85,92,087.38 करोड़
स्कॉटलैंड	2,57,16,894.06 करोड़
आयरलैंड	2,50,77,972.47 करोड़
इटली	2,36,40,375.81 करोड़
नीदरलैंड्स	2,36,40,375.81 करोड़
यूएई	2,36,40,375.81करोड़
नेपाल	2,36,40,375.81 करोड़
कनाडा	2,07,65,182.50 करोड़
नामीबिया	2,07,65,182.50 करोड़
ओमान	2,07,65,182.50 करोड़

स्मृति मंधाना की द हंड्रेड में धमाकेदार एंट्री

50,000 पाउंड में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने खरीदा

नई दिल्ली, 12 मार्च। आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 को जीतने वाली भारतीय महिला टीम के खिलाड़ियों की डिमांड पूरे वर्ल्ड में बढ़ती जा रही है। इसका नया उदाहरण इंग्लैंड की लीग द हंड्रेड में देखने को मिला। भारतीय महिला टीम की ओपनर स्मृति मंधाना की अगुवाई में द हंड्रेड के महिला खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी देखने को मिली। ऋषा घोष को 50,000 पाउंड का कॉन्ट्रैट हासिल किया।

द हंड्रेड के महिला खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में कुल 178 खिलाड़ियों की बोली लगी, जबकि 28 खिलाड़ियों को टूर्नामेंट से पहले ही फ्रेंचाइजी ने रिटेन कर लिया था या सीधे साइन किया था।

इस लीग की शुरुआत 21 जुलाई से होगी और 16 अगस्त को खत्म होगा। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने ऋचा को 50,000 पाउंड में खरीदा, जो भारतीय रुपये में करीब 61 लाख होता है। इस भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज को खरीदने के लिए नीलामी में सिर्फ इसी फ्रेंचाइजी ने बोली लगाई थी।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने नीलामी के पहले ही स्मृति मंधाना के साथ ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज बल्लेबाज मेग लैनिंग को अपनी टीम में सीधे साइन किया था जबकि इंग्लैंड की स्पिनर सोफ एक्लेस्टोन को फ्रेंचाइजी ने रिटेन किया था। इस बीच दीप्ति शर्मा को सनराइजर्स लीड्स ने 27,500 पाउंड यानी करीब 34 लाख में अपनी टीम के साथ जोड़ा। इस अनुभवी भारतीय ऑलराउंडर को लेने के लिए फ्रेंचाइजी ने बोली शुरू की और किसी और से मुकाबला नहीं करना पड़ा। हालांकि, भारत की यास्तिका भाटिया और श्री चरणी को ड्राफ्ट में किसी ने नहीं खरीदा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा नहीं लेगा ईरान, सुरक्षा का दिया हवाला

नई दिल्ली, 12 मार्च। ईरान के स्पोर्ट्स मिनिस्टर ने ऐलान किया है कि, उनका देश फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने अपने लीडर की यूएस द्वारा हत्या और हाल की गलत हरकतों का जिक्र किया। ईरानी फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट ने भी यही बात दोहराई है। हालांकि, फीफा के प्रेसिडेंट ने पहले कहा था कि ईरानी टीम का यूएस में स्वागत किया जाएगा, जो टूर्नामेंट को होस्ट कर रहा है। ईरान के स्पोर्ट्स मिनिस्टर अहमद दोन्यामाली ने बुधवार को कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की अमेरिका द्वारा हत्या के बाद उनका देश 2026 फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले सकता। रिपोर्ट के मुताबित अहमद दोन्यामाली ने बुधवार को सरकारी टेलीविजन से कहा कि, ये देखते हुए कि इस भ्रष्ट सरकार ने हमारे लीडर की हत्या की है, हम किसी भी हालात में वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले सकते। दोन्यामाली ने कहा कि, हमारे बच्चे सुरक्षित नहीं हैं और असल में हिस्सा लेने के लिए ऐसे हालात मौजूद नहीं हैं। ईरान के खिलाफ उन्होंने जो गलत काम किए हैं उन्हें देखते हुए उन्होंने आठ या 9 महीनों में हम पर दो जंग थोपी हैं। और हमारे हजारों लोगों को मारा और शहीद किया। इसलिए हम निश्चित रूप से ऐसी मौजूदगी नहीं रख सकते। बता दें कि, फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 104 मैच होंगे। साथ ही इसका आयोजन 11 जून को मेक्सिको सिटी के एस्टाडियो एज्टेका में शुरू होगा और न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड के मेटलाइफ स्टेडिया में खत्म होगा।

आईपीएल 2026 से पहले सामने आया मैच फिक्सिंग का मामला
आईसीसी ने दो लोगों पर लिया कड़ा एक्शन

नई दिल्ली, 12 मार्च। आईसीसी ने भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन के मामले में बड़ा एक्शन लिया है। इस कड़ी में आईसीसी ने वेस्टइंडीज के फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर जेवोन सर्ल्स को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। आईसीसी के मुताबिक सर्ल्स को एंटी-करप्शन कोड का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। ये मामला 2023-34 में बारबाडोस में खेले गए बिम10 लीग से जुड़ा है।

वहीं सर्ल्स के अलावा आईसीसी ने टाइटन्स टीम के मालिक चित्ररंजन राठौड़ और टीम अधिकारी ट्रेवन ग्रिफिथ को भी सभी प्रकार के क्रिकेट से निलंबित कर दिया है। बिम10 एक 10-10 ओवर की पारियों वाला टूर्नामेंट है जिसमें छह टीमें वॉयजर्स, गार्डियंस, टाइटन्स, सेटलर्स, वॉरियर्स और पेलिकन्स टीम खेलती हैं। यह टूर्नामेंट आखिरी बार 2023-24 में आयोजित हुआ था जो क्रिकेट वेस्टइंडीज के भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के अंतर्गत आता है।

आईसीसी और क्रिकेट वेस्टइंडीज दोनों ने अपने-अपने भ्रष्टाचार रोधी संहिता के अंतर्गत ये आरोप लगाए हैं। आईसीसी ने कहा कि तीनों को 11 मार्च 2026 से 14 दिनों के भीतर इन आरोपों का जवाब देने का समय दिया गया है। आरोपों में मैच फिक्सिंग, खिलाड़ियों को भ्रष्ट गतिविधियों के लिए उकसाना और भ्रष्टाचार-रोधी अधिकारियों को संदिग्ध संपर्क की जानकारी नहीं देना शामिल है।

सर्ल्स ने वेस्टइंडीज अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वह कैरेबियाई प्रीमियर लीग में त्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेले थे और 2018 में आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए भी खेल चुके हैं। उन पर क्रिकेट वेस्टइंडीज की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तहत चार आरोप लगाए गए हैं। राठौड़ पर अपनी फ्रेंचाइजी के भीतर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप है।

Rajasthan University of Health Sciences
सेक्टर-18, कुसुम मार्ग, प्रताप नगर, जयपुर-302033
दूरभाष: 0141-2279515, 0141-2795508, 2795536 Email: registrar@ruhsraj.org.
No. :- F.6 ( ) Store/RUHS/2025-26/40550 Date :- 06/03/2026
Notice Inviting e-Bids
Single Stage Two envelope bids are invited up to 02.00 pm of 18/03/2026 for Rate Contract of Event Management Work as per Scope of Work for Rajasthan University of Health Sciences, Jaipur (Total Est. Cost Rs. 30 Lacs). Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in.
(UBN No. RUH2526SLRC00031)
Registrar,
Raj.Samwad/C/25/22228 Rajasthan University of Health Sciences

कार्यालय जिला परिषद बीकानेर
क्रमांक :- 56 Date :- 05/03/2026
ई-निविदा सूचना 07/2025
कार्यालय जिला परिषद बीकानेर द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य ग्रामीण विकास हेतु राजीविका मार्केट विकास केन्द्र बीकानेर को करवाने हेतु दिनांक 18.03.2026 तक ऑन लाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण कार्यालय बीकानेर http://sppp.rajsthan.gov.in & http://eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB Code : ZBK2526A0169
UBN No. : ZBK2526WSRC00334
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/22215 जिला परिषद बीकानेर

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
पता: मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी (आपकी सेवा मे सदैव तत्पर)
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com
क्रमांक : न.पा.सा./2026/4976-4977 दिनांक 29.01.2026
-:: Notice Inviting Bid ::-
Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.
UBN NO :- DLB2526WSOB37198
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/22194 नगरपालिका सादड़ी

कार्यालय नगर पालिका, जैतारण (ब्यावर) राज.
Municipal Board, Jaitaran (Beawar) Rajasthan E-mail: eojaitaran@rediffmail.com
क्रमांकः- न.पा.जै/स्टोर/ई-निविदा/2025-26/8649 दिनांक : 09.03.2026
:: ई -निविदा सूचना ::
(NIB NO. DLB2526B2649)
नगर पालिका जैतारण की ओर से नगर पालिका जैतारण एवं राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई- प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है । नगर पालिका क्षैत्र के कुल 05 कार्य अनुमानित लागत 180.95 (लाख) रू की निविदा बेचे जानी प्रारम्भ की दिनांक 09.03.2026 एवं 23.03.2026 प्राप्त करने की दिनांक निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है ।
राज.संवाद/सी/25/22199 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका मण्डल जोबनेर (जयपुर)
क्रमांक/न.पा.जो./2025-2026/3409 दिनांक 09.03.2026
निविदा आमन्त्रण सूचना/2025-2026
नगर पालिका जोबनेर द्वारा केश/विकास/स्टोर शाखा से कार्य करवाने हेतु कार्य संख्या 9 कार्यो की निविदा आमन्त्रित की जा रही है। उक्त कार्यो की अमानता राशि, बिड की शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।
UBN NO. - 1- DLB2526WSOB37558, 2- DLB2526WSOB37560, 3- DLB2526WSOB37562, 4- DLB2526WSOB37564, 5- DLB2526WSO37566, 6-DLB2526WSOB37570, 7-DLB2526WSOB37573, 8- DLB2526WSOB37575, 9- DLB2526WSOB37579
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/22207 नगर पालिका जोबनेर

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (टीडब्ल्यू), पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर
प्रभारिम शशि सूर्यवंशी टेलीफैक्स: 0141-2201022 ईमेल : setw@jvvnl.org
ई-निविदा सूचना
ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के अन्तर्गत चिन्हित 33/11 केवी उपकेन्द्रों के परिचालन एवं संधारण के कार्य हेतु टीएन संख्या-617 में योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किऐ जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 10.04.2026 को सांय 5.00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। UBN: VVN2526SLOB01050
राज.संवाद/सी/25/22256 जेपी.आर - 3129 (2026) अधीक्षण अभियन्ता (टीडब्ल्यू)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय नगरपालिका धरियावद जिला-प्रतापगढ़ (राज.)
क्रमांक/न.पा.धरि./स्टोर/2025-26/1430 दिनांकः- 07.03.2026
ई निविदा सूचना-07
नगरपालिका द्वारा वित्तिय वर्ष 2025-26 हेतु निम्न कार्य कराये जाने हेतु नीचे अंकितानुसार खुली बोली पद्धती से ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विस्तृत विवरण www.sppp.raj.gov.in एंव www.eproc.raj.gov.in पर उपलब्ध है।

क्र.सं.	यूबीएन संख्या	
01	DLB2526GLOB36767	
Important Date		
1	निविदा डाउनलोड करने की दिनांक	28/02/2026 से 13/03/2026 तक (सांय 06:00 बजे तक)
2	निविदा अपलोड करने की दिनांक	28/02/2026 से 13/03/2026 तक (सांय 06:00 बजे तक)
3	धरोहर राशि/निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस एंव ESI, EPS, GST, PAN No. के दस्तावेज भौतिक रूप से जमा करने की दिनांक	16/03/2026 दोपहर 02:00 बजे तक
4	तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	16/03/2026 सांय 04:00 बजे
5	वित्तीय बिड खोलने की दिनांक	तकनिकी बिड परीक्षण पश्चात्।

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/22202 धरियावद

टीम जयपुर ने 7-4.5 के स्कोर से नाहरगढ़ को हराकर जीता मैच

जयपुर, 12 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित श्री सीमेंट कप (आउट ऑफ हैट) टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला गया। यह मैच टीम जयपुर और टीम नाहरगढ़ के बीच हुआ, जिसमें टीम जयपुर 7-4.5 के स्कोर से नाहरगढ़ को हराकर विजेता बनी। टीम जयपुर से महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल हासिल किए। वहीं, रघुराम हरि ने 1 गोल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में नरेंद्र सिंह और प्रताप सिंह कानोता भी शामिल रहे। दूसरी ओर, टीम नाहरगढ़ की ओर से दिव्यमान सिंह दूजोद ने 2 गोल, तरुण बिलवाल और विशाल सिंह राठौड़ ने 1-1 गोल किया। टीम से विग्रहराज सिंह कोठारिया भी खेले। यहां टीम नाहरगढ़ को आधे गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ। पहला सेमीफाइनल कल- टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच 13 मार्च, शुक्रवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 5 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले में टीम जयपुर और टीम जयगढ़ आमने-सामने होंगी। वहीं, दूसरा सेमीफाइनल 14 मार्च, शनिवार को खेला जाएगा। टूर्नामेंट की फाइनल टक्कर 15 मार्च, रविवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर होगी।

राजस्थान रॉयल्स 17 से जयपुर में प्री-सीजन ट्रेनिंग कैम्प शुरू करेगी

जयपुर, 12 मार्च। राजस्थान रॉयल्स ने आज आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीज़न के लिए जयपुर में अपने पहले प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप की शुरुआत की घोषणा की। मंगलवार, 17 मार्च 2026 से टीम का स्क्वाड पिंक सिटी में एकत्र होगा, जहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में ट्रेनिंग, फिटनेस और नेट सत्रों के साथ कैंप की शुरुआत होगी। हेड कोच और डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट कुमार संगकारा के मार्गदर्शन में यह कैंप टीम बॉन्डिंग, गहन अभ्यास और रणनीतिक योजना पर केंद्रित रहेगा। इसके साथ ही खिलाड़ियों के लिए स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इससे पहले खिलाड़ियों के एक छोटे समूह रवि बिश्नोई, वैभव सूर्यवंशी, संदीप शर्मा और हाल ही में टीम से जुड़े रविंद्र जडेजा ने फ्रेंचाइज़ी के नागपुर स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में एक छोटे कैंप और फिटनेस असेसमेंट सत्र में हिस्सा लिया था। जयपुर कैंप इस सीज़न से पहले पहली बार होगा जब टीम का पूरा स्क्वाड, जिसमें नए खिलाड़ी जडेजा और सैम करन भी शामिल हैं, आईपीएल गवर्निंग काउंसिल द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, फ्रेंचाइज़ी 26 मार्च 2026 को गुवाहाटी के लिए रवाना होने की संभावना है, जहां 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सीज़न का पहला मुकाबला खेला जाएगा।

जयपुर में शुरू हुआ अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाजी कोचिंग सेमिनार
देशभर के 40 प्रशिक्षकों को दी जा रही ट्रेनिंग

जयपुर , 12 मार्च। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर के टरिकर्व कोचचेंज सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यशाला राजस्थान तीरंदाजी संघ के सहयोग से 11 मार्च से 16 मार्च तक आयोजित की जा रही है। इस सेमिनार में देशभर से चयनित 40 तीरंदाजी प्रशिक्षकों को आधुनिक तकनीक, अंतरराष्ट्रीय नियमों और उन्नत प्रशिक्षण पद्धितयों की जानकारी दी जा रही है। कार्यशाला का उद्घाटन जयपुर के एक होटल में आयोजित समारोह में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. नीरज के. पवन (अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद) ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के तकनीकी सेमिनार प्रशिक्षकों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रशिक्षक आधुनिक तकनीकों और नए अंतरराष्ट्रीय नियमों से अपडेट रहेंगे, तब हमारे खिलाड़ी भी वैश्विक स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के सेमिनार समय-समय पर सभी खेलों में आयोजित किए जाने चाहिए। इस अवसर पर गुंजन अब्रॉल (एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर, भारतीय तीरंदाजी संघ) ने संगठन की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय तीरंदाजी संघ समय-समय पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है ताकि भारतीय तीरंदाजों और प्रशिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की जानकारी और प्रशिक्षण मिल सके।

आरयूएफसी और एनएफसी का पहला मैच आज

जयपुर, 12 मार्च। राजस्थान में फुटबॉल को नई पहचान दिलाने की दिशा में काम कर रहा राजस्थान यूनाइटेड एफ सी अब आईएफएल 2025-26 सीजन के अपने पहले होम मैच के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम 13 मार्च को जयपुर के विद्यासागर नगर स्टेडियम में नामधारी फुटबॉल क्लब के खिलाफ मैदान में उतरेगी। इस मुकाबले को लेकर क्लब प्रबंधन और खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सीजन के पहले होम मैच को खास बनाने के लिए क्लब की ओर से विशेष उद्घाटन समारोह का आयोजन भी किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के जरिए राजस्थान में तेजी से बढ़ रहे फुटबॉल कल्चर का जश्न मनाया जाएगा और स्थानीय खिलाड़ियों को भी प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर क्लब के चेयरमैन कृष्ण कुमार टाक ने हाल ही में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से मुलाकात कर उन्हें मैच में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया। टीम में इस बार कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिनमें स्पेन के फुटबॉलर पेड्रो स्त्री लोपेज और गेरार्ड आर्टिगस भी मैदान में नजर आएंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी से टीम की ताकत बढ़ी है, प्रशंसकों को भी एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

अब नेट्स शेयर नहीं कर सकेंगी टीमें

नई दिल्ली, 12 मार्च। बीसीसीआई ने आईपीएल टीमों के प्रैक्टिस सेशन को लेकर नई गाइडलाइन जारी की हैं। कोई भी टीम उस नेट या पिच पर प्रैक्टिस नहीं कर सकेगी, जिस पर दूसरी टीम पहले अभ्यास कर चुकी हो। हर टीम को अभ्यास के लिए अलग और नए नेट उपलब्ध कराए जाएंगे। अगर दो टीमें अलग-अलग समय पर अभ्यास करती हैं तो भी पहली टीम के इस्तेमाल किए नेट दूसरी टीम को नहीं दिए जाएंगे।

हमने प्रदेश में उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने सीआईआई (राजस्थान) के वार्षिक सत्र में कहा कि राजस्थान में उद्यमियों को परेशानी नहीं आने दी जायेगी

जयपुर, 12 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार ने निवेशपरक वातावरण, नवाचारों को प्रोत्साहन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा सिंगल विंडो क्लीयरेंस सहित विभिन्न ऐसे निर्णय किए हैं, जिससे प्रदेश में उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार हुआ है। हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2047 तक 4.3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राजस्थान में निवेश करने वाले उद्यिमयों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी तथा उनकी सभी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) राजस्थान के वार्षिक सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए प्रदेश में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने विभिन्न योजनाओं, नवाचारों एवं कार्यक्रमों द्वारा प्रदेश में विकास को गति दी है। प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी को मजबूत करने के साथ ही सड़क नेटवर्क को भी सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रचुर मात्रा में खनिज उपलब्ध है। राज्य सरकार इनकी प्रोसेसिंग पर विशेष ध्यान दे रही है। इस दौरान शर्मा ने युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के नियुक्ति पत्र तथा महिलाओं को उद्यिमता के लिए वाउचर पत्र भी सौंपे। इस अवसर पर सीआईआई (उत्तर क्षेत्र) की अध्यक्ष अंजली सिंह और सीआईआई राजस्थान के अध्यक्ष संजय अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं उद्यमी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ राजस्थान के वार्षिक सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के नियुक्ति पत्र तथा महिलाओं को उद्यिमता के लिए वाउचर पत्र सौंपे।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में एयर कनैक्टिविटी के साथ सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ किया है। राज्य सरकार खनिजों की प्रोसेसिंग पर विशेष ध्यान दे रही है।**

ईरान युद्ध में चार भारतीयों की मौत

नई दिल्ली, 12 मार्च। भारत ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की कड़ी निंदा की है। व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने के चलते 4 भारतीय अपनी जान गंवा बैठे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अंतर मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में गुरुवार को बताया कि वर्तमान में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण तीन भारतीयों की मौत हुई है और एक भारतीय लापता है। मरने वाले भारतीय हमले का शिकार बने व्यापारिक जहाजों पर कार्यरत थे। प्रवक्ता ने बताया कि अब तक हमने तीन भारतीय नागरिकों को खो दिया है और चौथा भारतीय नागरिक लापता है। हाल ही में एक भारतीय की मौत मार्शल द्वीप समूह के ध्वज वाले जहाज सेफसी विष्णु पर हुई है। यह घटना इराक के पास घटी है। मंत्रालय उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। वहीं पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में अब तक 24 से अधिक भारतीय नागरिकों के घायल होने की पुष्टि हुई है।

ओम बिड़ला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करना चाहता हूं कि मैं हमेशा सभी सांसदों को बोलने की अनुमति देता हूं, लेकिन नियमों और विनियमों (रुल्स एंड रेग्यूलेशंस) के तहत।"

ओम बिड़ला ने गुरुवार को कहा, "आइए, हम इस लोकसभा की कार्यवाही को नियमों के अनुसार चलाएं। ये नियम सभी के लिए समान हैं, विपक्ष और सरकार दोनों के लिए।"

अमेरिका -इज़रायल की सदाबहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रोकना चाहता है। इराक और अफगानिस्तान में लंबे और विवादित हस्तक्षेपों ने अमेरिकी जनता और राजनीतिक नेतृत्व को अनिश्चित अवधि तक चलने वाले युद्धों से सावधान कर दिया है। यहां तक कि जब अमेरिका शुरुआत में सैन्य कार्रवाई का समर्थन करता है, तब भी आमतौर पर कांग्रेस, सहयोगी देशों और घरेलू जनमत की ओर से तनाव को सीमित रखने और कूटनीतिक समाधान तलाशने का दबाव बना रहता है।

विश्लेषकों का कहना है कि यदि युद्ध बिना किसी स्पष्ट और त्वरित समाधान के जारी रहता है, तो दोनों देशों के नज़रिए में यह अंतर वॉशिंगटन में पॉलिसी डिबेट्स को प्रभावित कर सकता है। लंबे संघर्ष के आर्थिक प्रभाव सबसे पहले तनाव का कारण बन सकते हैं। ईरान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज़ स्ट्रेट के पास स्थित है, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल परिवहन होता है। नए सुप्रीम लीडर्स के इशारे पर शिपिंग तथा रूट्स एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर में रूकावट से दुनियाभर में तेल की कीमतें ऊंची रहेंगी और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई का दबाव बढ़ेगा। अमेरिका में ईंधन की कीमतें सीधे जनभावना से काफी हद तक जुड़ी हुई हैं, इसलिए प्रशासन पर क्षेत्र को जल्दी स्थिर करने का राजनीतिक दबाव बढ़ सकता है।

कूटनीतिक पहलू भी दोनों के बीच दूरी बढ़ा सकते हैं। वॉशिंगटन को केवल इज़रायल ही नहीं, बल्कि यूरोपीय सहयोगियों और खाड़ी देशों के साथ भी संबंध संभालने होते हैं, जिनके आर्थिक और सुरक्षा हितों पर लंबे युद्ध से असर पड़ सकता है। यूरोपीय संघ के देश और खाड़ी के बड़े ऊर्जा उत्पादक देश संघर्ष के बढ़ने पर तनाव कम करने की मांग कर सकते हैं, खासकर तब, जब युद्ध से जहाजरानी मार्ग, व्यापार और ऊर्जा बाजार प्रभावित होने लगें। ऐसे में अमेरिका को, इज़रायल की लगातार सैन्य दबाव बनाए रखने की इच्छा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम व बातचीत की मांग के बीच संतुलन बनाना पड़ सकता है।

एक और संभावित तनाव का बिंदु सैन्य लक्ष्यों को लेकर हो सकता है। इज़रायल पूरे इलाके में ईरानी इन्फ्रास्ट्रक्चर, सैन्य ठिकानों और प्रॉक्सी नैटवर्क पर हमले जारी रखने के पक्ष में हो सकता है। लेकिन अगर इन कार्रवाइयों से और देशों के शामिल होने या युद्ध के भौगोलिक रूप से फैलने का खतरा बढ़ता है, तो अमेरिका ज्यादा सावधानी बरत सकता है। ऐसे में अमेरिका को इज़रायली अभियानों का समर्थन करने के फायदों को एक बड़े रीजनल युद्ध में घसीटे जाने की संभावना के साथ तोलना होगा।

हालांकि इसका यह मतलब नहीं होगा कि अमेरिका-इज़राइल साझेदारी टूट जाएगी, क्योंकि यह गहरे रणनीतिक और राजनीतिक आधार पर टिकी है। लेकिन लंबे युद्ध अक्सर करीबी सहयोगियों के बीच भी प्राथमिकताओं के सूक्ष्म अंतर को उजागर कर देते हैं। जो अभियान शुरुआत में पूरी तरह एकजुट दिखता है, वह धीरे-धीरे सैन्य कार्रवाई की गति, दायरे और उद्देश्यों को लेकर बातचीत का रूप ले सकता है। यदि संघर्ष जारी रहता है और इसका खर्च बढ़ता है, तो वॉशिंगटन तनाव कम करने का रास्ता तलाशने पर अधिक जोर दे सकता है, जबकि इज़रायल तब तक दबाव बनाए रखने पर केंद्रित रह सकता है, जब तक उसे यह भरोसा न हो जाए कि ईरान की क्षमताएं निर्णायक रूप से कमजोर हो चुकी हैं।

ऐसी स्थिति में गठबंधन बना रहेगा, लेकिन संघर्ष के शुरुआती चरण में जो राजनीतिक तालमेल मजबूत दिखता है, वह समय के साथ अधिक जटिल हो सकता है, क्योंकि दोनों पक्ष अपने हितों और सीमाओं के अनुसार अपनी नीतियों को समायोजित करेंगे।

ईरान की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय गारंटी।"

ईरान के राष्ट्रपति का युद्धविराम का प्रस्ताव ईरान की सशस्त्र सेनाओं के प्रवक्ता अबुलफजल शेकरची के बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने सरकारी आईआरआईबी टीवी चैनल पर कहा कि अगर वॉशिंगटन ने ईरानी बंदरगाहों पर हमला किया, तो खाड़ी में कोई भी बंदरगाह या आर्थिक केन्द्र ईरान की पहुंच से बाहर नहीं होगा।

सशस्त्र बलों के प्रवक्ता अबुलफजल शेकरची ने कहा। "अगर हमारे बंदरगाहों और डॉक को धमकी दी जाती है, तो क्षेत्र के सभी बंदरगाह और डॉक हमारा निशाना होंगे।"

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरानी बंदरगाहों पर हमला होता है, तो सशस्त्र बल "अब तक किए गए हमलों से कहीं ज्यादा बड़ा ऑपरेशन करेंगे।"

ईरान ने युद्ध खत्म करने के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **यही नहीं, ट्रंप बार-बार कह रहे हैं कि मोजतबा को ईरान का सुप्रीम लीडर बनाना उन्हें स्वीकार्य नहीं है पर अमेरिका उन्हें हटाने के लिए कुछ नहीं कर पाया है, उल्टे मोजतबा ने देश पर मजबूती से नियंत्रण कर लिया है।**

किसी समय-सीमा का उल्लेख किए बिना, अमेरिकी राष्ट्रपति पिछले कुछ दिनों से बार-बार कह रहे हैं कि युद्ध "बहुत जल्द" समाप्त हो जाएगा। ट्रंप के अनुसार, सैन्य अभियान तय समय से काफी आगे बढ़ चुका है और "ईरान में टारगैट करने के लिये अब कुछ बाकी नहीं बचा है।"

संघर्ष शुरू होने से पहले अमेरिका ने चार मुख्य लक्ष्य तय किए थे-ईरान की परमाणु क्षमता को निष्क्रिय करना, ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल उद्योग को पूरी तरह नष्ट करना, ईरानी नौसेना को खत्म करना और हिज़्बुल्लाह, हूती तथा हमास जैसी आतंकी सेनाओं को हथियार, धन और मार्गदर्शन देने की ईरान की क्षमता को समाप्त करना। इनमें से अमेरिका केवल दो लक्ष्य हासिल करने का दावा कर सकता है-ईरान के मिसाइल कार्यक्रम और उसकी नौसेना को नष्ट करना। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता के रूप में मोजतबा खामेनेई की नियुक्ति स्वीकार्य नहीं है। लेकिन खामेनेई देश पर मजबूत नियंत्रण बनाए हुए दिखाई देते हैं और अमेरिका उन्हें सत्ता से हटाने में सफल नहीं हुआ है।

संघर्ष के पहले ही दिन अयातुल्लाह अली खामेनेई के मारे जाने के बावजूद, अमेरिका और इज़रायल ईरान में सत्ता परिवर्तन कराने में असफल रहे हैं। दोनों पक्षों में से कोई भी नरमी के संकेत नहीं दे रहा है और ईरान लगातार यह कह रहा है कि वह युद्धविराम की मांग नहीं कर रहा है।

ट्रम्प अब किसी भी तरह से खाड़ी देशों के युद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अभी कई सैन्य अभियान बाकी हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया कि सैन्य अभियान बहुत सफलतापूर्वक चल रहा है और इसके अधिकांश लक्ष्य पहले ही हासिल किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान में अब बहुत कम लक्ष्य बचे हैं, जिन पर हमला किया जाना बाकी है। उनके बयान ऐसे लगते हैं, मानो वे पहले से ही अमेरिका के इस मुश्किल स्थिति से निकलने की कहानी तैयार कर रहे हैं।

दूसरी ओर इज़रायल का कहना है कि अभी कई महत्वपूर्ण लक्ष्य बाकी हैं, जिन्हें हासिल करना जरूरी है। इज़रायल इस संघर्ष को लंबे समय के नजरिये से देख रहा है, जिसमें उसका मुख्य प्रतिद्वंद्वी ईरान भविष्य में फिर से सैन्य अभियान चलाने की स्थिति में न रहे। इस प्रकार अमेरिका और इज़रायल के दीर्घकालिक लक्ष्यों और युद्ध के अंत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं।

इज़रायल की मजबूरियां स्पष्ट हैं। ईरान लगातार भारी मिसाइल हमले और विनाशकारी सैन्य कार्रवाइयां कर रहा है। इसलिए इज़रायल इस समस्या को उसकी जड़ में जाकर खत्म करना चाहता है। यदि इस युद्ध का कोई बड़ा शिकार रहा है तो वह है डॉनल्ड ट्रंप की शेखी। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी सेना होर्मुज़ स्ट्रेट को खुलवा देगी और जहाजों को सुरक्षा देते हुए पार करवाएगी। लेकिन अमेरिकी रक्षा बलों ने साफ कहा है कि वे अभी इस तरह की एस्कॉर्ट सेवा देने के लिए तैयार नहीं हैं।

यह स्पष्ट है कि व्यावसायिक जहाजों को साथ लेकर होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजरना बेहद खतरनाक होगा और इससे निश्चित रूप से भारी नुकसान हो सकता है। इसी कारण अमेरिकी नौसेना ने ऐसे सुरक्षा अभियान शुरू नहीं किए हैं।

ट्रंप का एक और बड़ा दावा यह था कि शेयर बाजार उनके नेतृत्व से बेहद खुश हैं और बाजार अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। लेकिन युद्ध शुरू होने के बाद से शेयर बाजारों में तेज गिरावट देखी गई है। इसके साथ ही, अमेरिकी ट्रेज़री बॉन्ड की लाभ दर बढ़ गई है, जिससे अमेरिकी सरकार के लिए कर्ज लेना और महंगा हो गया है। इसका असर अमेरिका की वित्तीय स्थिति पर पड़ सकता है, जो पहले से ही काफी दबाव में है। तीसरा असर यह हुआ है कि युद्ध के कारण जोखिम की धारणा बढ़ गई है, जिससे अमेरिकी डॉलर की विनिमय दर मजबूत हो गई है। इससे अमेरिका के निर्यात को प्रतिस्पर्धी बनाने की उसकी योजना को और झटका लग सकता है।

कुल मिलाकर अब समय आ गया है कि ट्रंप ईरान युद्ध के इस जटिल संकट से निकलने का रास्ता तलाशें। अमेरिका अब हर हाल में इस स्थिति से बाहर निकलना चाहता है। लेकिन इज़रायल के लिए स्थिति बिल्कुल अलग है। जब तक ईरान को पूरी तरह काबू में नहीं किया जाता और उसकी सैन्य क्षमता कमजोर नहीं कर दी जाती, तब तक भविष्य में फिर से संघर्ष का खतरा बना रहेगा। इसलिए इज़रायल इस युद्ध का पूरा फायदा उठाना चाहता है, भले ही इसके लिए संघर्ष को और लंबे समय तक क्यों न चलाना पड़े।

होर्मुज़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों के तहत, ए आई एस को सुरक्षा और ट्रैकिंग के लिए सक्रिय रखना अनिवार्य है।

`राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600